आज होलिका दहन

दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

क्षितिज किरण

RNI No.MPHIN/2003/10309

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-22 अंक-28 | सीहोर, गुरूवार 13 मार्च 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

म.प्र में पेश किया गया 4 लाख 21 हजार करोड़ का बजट, कोई नया टैक्स नहीं

मुख्यमंत्री ने सर्व-व्यापक, सर्व-स्पर्शी, सर्व-समावेशी बजट के लिए वित्त एवं उप मुख्य मंत्री श्री देवड़ा का किया अभिनंदन

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गांव, गरीब सहित सभी वर्गों के लिए व्यवस्थित योजना से मध्यप्रदेश विकास और जनकल्याण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। राज्य का बजट 2025-26 इसी संकल्प की

वर्ष-2029 तक बजट के आकार एवं प्रदेश की जीएसडीपी को दो गुना करने का है लक्ष्य

प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। बुधवार (12 मार्च) को राज्य सरकार ने पहली बार 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया। यह बजट प्रावधान विगत वर्ष 2024-25 की अपेक्षाकृत 15 प्रतिशत अधिक है। इतने बड़े बजट के बाद भी कोई टैक्स नहीं लगाया गया है और न ही कोई कटौती की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा में प्रस्तुत प्रदेश के वर्ष 2025-26 के बजट के संबंध में विधान सभा परिसर में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई सरकार बनते ही अगले 5 साल में बजट को दोगुना करने का लक्ष्य तय कर लिया गया था। वर्ष 2025-26 का बजट इसी दिशा में अनुकरणीय प्रयास है। इस बजट में राज्य के गरीब, युवा, अन्नदाता किसान और नारी (ज्ञान) सहित सभी वर्गों की बेहतरी के संकल्प को पूरा किया गया है। सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष- 1956 में मध्यप्रदेश का गठन हुआ, लेकिन वर्ष 2003-04 तक मात्र 20 हजार करोड़ रूपये का बजट था, अब हम इसे 21 गुना बढ़ाते हुए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए तक पहुंचे हैं। यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश, भारत के सभी राज्यों में सबसे तेज गति से बढ़ने वाला प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्त एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का सर्व-व्यापक, सर्व-स्पर्शी, सर्व-समावेशी बजट प्रस्तुत कने के लिए अभिनंदन करते हुए कहा कि वर्ष 2025 का यह बजट मध्यप्रदेश की आशाओं, आकांक्षाओं का बजट है। राज्य सरकार अपने सभी संकल्पों को पूरा करने की ओर निरंतर आगे बढ़ रही है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 250 लाख करोड़) बनाना है। यह केवल संख्यात्मक दस्तावेज नहीं, अपितु प्रदेश की जनता की जिंदगी बदलने वाला बजट है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्पों के आधार पर राज्य सरकार का यह दूरदर्शी बजट सशक्त-समृद्ध-शक्तिशाली और खुशहाल मध्यप्रदेश बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह बजट जनकल्याण और सुशासन के साथ प्रदेश के विकास को गति प्रदान करेगा। गरीबों को सशक्त बनाएगा और प्रदेश के युवाओं के लिए बेहतर भविष्य का सृजन करेगा। बजट में महिलाओं, गरीब, किसान, अनुसूचित जाति और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए विशेष कदम उठाए गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोककल्याणकारी बजट के लिए प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

देवी धाम सलकनपुर में प्रसादी की 15 दुकानों में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

रेहटी(ए.)। बुधवार को प्रसिद्ध देवी धाम सलकनपुर में दुकानों में आग लग गई, जिसमें लगभग 10 से 15 दुकान जलकर खाक हो गई। आग लगने की घटना सुबह लगभग 8.30 बजे की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह दुकानों में आग जैसे ही लगी सभी दुकानदार मंदिर पहुंच गए और मंदिर पर चल रहे देवीलोक के निर्माण कार्य में लगे पानी के टैंकर और फ्लोरी में पानी भरकर बुलाया और दुकानदारों ने प्लास्टिक के कुप्पों से आग बुझाई। मंदिर की चढ़ाई ज्यादा होने की वजह से दमकल देर से पहुंच सकी। स्थानीय व्यापारी अरविंद मालवीय एवं पंकज शर्मा ने बताया कि आग तेजी से फैल रही थी। दुकानदारों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया।यदि आग को बुझाया नहीं गया होता तो लगभग सभी दुकानें आग में झुलस जाती। आग की रफ़्तार इतनी तेज थी कि रोड क्रास करके सामने वाली लाइन के पर्दे, बैनर और मेट भी आग में झुलस गए।मौके पहुंचे एसडीएम दिनेश तोमर, एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा, तहसीलदार भूपेंद्र कैलाशिया, थाना प्रभारी राजेश कहारे, सलकनपुर चौकी प्रभारी भावना यादव, मंदिर ट्रस्ट सचिव रामकिशोर दुबे सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना का मौका मुआयना किया।पुलिस आग लगने के कारण की जांच कर रही है फिलहाल कारण अज्ञात है।

अक्सर होती रहती है आग लगने की घटना

2008 में सलकनपुर मंदिर के पास भेरू घाटी पर शार्टसर्किट से लगभग 40 दुकानें पूरी तरह जलकर ख़ाक हो गई थी। देखा गया कि दिवाली की रात भी मंदिर पर दुकानों में आग लगने की हुई है। इसका कारण कभी शार्टसर्किट तो कभी जंगल के सूखे पत्तों या दुकानों के अवशेष कचरे की वजह रहे हैं।

युवक से दरिंदगी, प्राइवेट पार्ट में गन्ना डालकर मार डाला; नपुंसक कहे जाने पर नाराज था आरोपी

रुड़की (आरएनएस)। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में एक सनसनीखेज़ वारदात सामने आई है। यहां गे रिलेशन बनाने के दबाव और फिर नपुंसक कहे जाने से गुस्साए 22 वर्षीय युवक ने एक युवक की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने मृतक के प्राइवेट पार्ट में गन्ना डालकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह मामला हरिद्वार के बुग्गावाला थाना क्षेत्र के हरिपुर टोंगिया गांव का है। पुलिस को दी गई तहरीर में, मृतक शीश कुमार के भाई ने बताया कि उनके गांव के ही रहने वाले प्रमोद पुत्र किशन (22) ने उनके भाई के साथ बेरहमी से मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के बाद प्रमोद ने शीश कुमार के प्राइवेट पार्ट में गन्ना घुसा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।बुग्गावाला थाने में दर्ज मामले के अनुसार, पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी प्रमोद को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जेल भेज दिया गया है।

पाकिस्तान सरकार की नाकामी का घिनौना पैंतरा, ट्रेन हाईजैक पर बताया भारत का हाथ

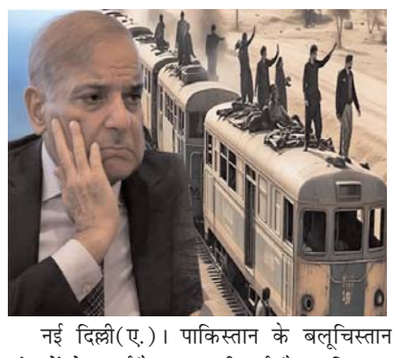

नई दिल्ली(ए.)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ट्रेन हाईजैक कर ली गई है। पाकिस्तान पुलिस के सभी पैंतरे फेल होते नजर आ रहे है। पाक सरकार अपने लोगों को बचाने में असफल साबित हो रही है। जिससे बौखलाई पाक सरकार ने अब अपनी नाकामी का ठीकरा भारत पर फोड़ना शुरू कर दिया है। शहबाज के राजनीतिक सलाहकार का आरोप है कि इसमें भारत का हाथ है।

टीवी चैनल डॉन से बातचीत में शहबाज के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा, "हां, भारत कर रहा है, इसमें कोई शक नहीं है। उन्हें अफगानिस्तान जैसा एक सुरक्षित ठिकाना मिला हुआ है। तालिबान के सत्ता में आने से पहले उन्हें ये घातक हमले करने के अवसर नहीं मिलते थे, लेकिन अब उनके अभियानों में बढ़ोतरी हुई है क्योंकि अफगानिस्तान में उन्हें घात लगाकर हमला करने की सुविधा मिल रही है। हमने सरकारी स्तर पर अफगानिस्तान से कहा है कि इस गतिविधि को रोके, नहीं तो हम वहां जाकर उन ठिकानों को निशाना बनाएंगे।" राणा सनाउल्लाह के साथ बातचीत का वीडियो डॉन टीवी के एंकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है।बता दें कि पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरंग में बलूच आतंकवादियों द्वारा एक यात्री ट्रेन पर हमला किए जाने के बाद सुरक्षा बलों ने कम से कम 27 आतंकवादियों को मार गिराया और 155 यात्रियों को बचा लिया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना का अभियान अभी भी जारी है।

बीएसएफ जवानों का वाहन खाई में गिरा, 3 की मौत, 13 घायल

-मणिपुर में बेस कैंप लौट रहा वाहन हुआ हादसे का शिकार

इंफाल,(ए)। मणिपुर के सेनापति जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां बीएसएफ जवानों को ले जा रहा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में 03 जवानों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी अनुसार मणिपुर के सेनापति जिले में बीएसएफ जवानों को ले जा रही गाड़ी अचानक खाई में जा गिरी। इस हादसे में 03 जवानों की मौत हो गई, जबकि 13 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा इंफाल-दीमापुर

नेशनल हाईवे पर चांगौबंग गांव के करीब शाम 4 बजे हुआ। हादसे का शिकार हुए सभी जवान एक ही बटालियन के बताए गए हैं। इनकी तैनाती नगालैंड के झादिमा में रही जबकि मणिपुर के हालात बिगड़ने के बाद इन्हें राज्य में तैनात किया गया था। बताया जा रहा है कि हादसा तब हुआ जबकि जवान अपनी क्यूआरटी ड्यूटी पूरी करने के बाद कांगपोकपी से आईआईआईटी, मयांगखांग स्थित बेस कैंप में वापस लौट रहे थे। सूत्रों की मानें तो गाड़ी ओवरलोडेड थी, और चालक का संतुलन बिगड़ जाने के बाद वाहन गहरी खाई में गिर गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

मैहर में सड़क हादसा ! ट्रक ने बाइक सवार को उड़ाया, 2 की मौत एक घायल

मैहर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के कैथहा गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. एक छोटे ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर भाग गया. मालूम हो कि हादसा इतना भयानक था कि बचने का मौका नहीं मिला. चश्मदीदों की मानें तो टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवारों को संभलने का कोई मौका नहीं मिला. घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी.सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है. मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. पुलिस हादसे की वजह भी जानने की कोशिश कर रही है.

वायु सेना के 'अश्विनी' से लड़ाकू विमानों, यूएवी और हेलीकॉप्टर्स का चलेगा पता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय वायु सेना की क्षमता बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बड़ा सौदा किया। इस महत्वपूर्ण सौदे से भारतीय वायुसेना को अत्याधुनिक रडार सिस्टम (अश्विनी) हासिल होगा। 2,906 करोड़ रुपए की लागत वाला यह रडार सिस्टम नए जमाने के आधुनिक लड़ाकू जहाजों का पता लगाने में सक्षम है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह रडार सिस्टम स्वदेशी है। इसके आने पर भारतीय वायुसेना की विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी। सरकार के देश की स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत करने के प्रयासों के तहत यह फैसला किया गया है।रक्षा मंत्रालय ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) गाजियाबाद के साथ 2,906 करोड़ रुपए की लागत से लो-लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार (एलएलटीआर) 'अश्विनी' की खरीद का सौदा तय किया है।

छत्तीसगढ़ में कार में मिले करोड़ो रुपए

थाना आमानाका मे नगदी 1,66,99,900/- रूपये को आरोपीयो से जप्त आरोपीयो के खिलाफ धारा 106 बीएनएस के तहत की गई कार्यवाही

रायपुर (आरएनएस)। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा प्रतिदिवस वाहन चेकिंग का विशेष अभियान चलाया जा रहा है

इसी तारतम्य में दिनांक 12.03.25 को थाना आमानाका के द्वारा टाटीबंध थाना के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी वाहन के दौरान सभी वाहन के डिक्की को चेक किया जा रहा था वाहन इनोवा क्रिस्टा क्रमाक 23-BH-8886J को रोका गया जिसमे दो व्यक्ति बैठे हुये थे जिन्से पुछताछ पर नागपुर जाना बताये एंव और पुछता करने पर घबराने लगे वाहन के पीछे डिक्की को चेक करवाने से मना करने लगे तब शंका होने वाहन के पीछे डिक्की को अच्छी तरीके से चेक किया गया जिसमे सीट के नीचे एक पृथक से लॉकर बनाया गया था जिसे खुलवाने पर लॉकर मे भारी मात्रा मे पैसा रखा हुआ मिला जिस सबंध मे थाना प्रभारी आमानाका द्वारा तत्काल जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दिया गया दोनो व्यक्तियों से उक्त रूपये के सबंध पुछताछ किया गया जो सही जवाब नही दे पाये वाहन एंव आरोपी तथा पैसो को समक्ष गवाहन के जप्त किया पैसो की गिनती की गई जो 1,66,99,900/- रूपये होना पाया गया आरोपियो के विरूद्ध धारा 106 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई है ।

प्रकरण में फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर पैसो के सबंध मे अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ जारी है।

गिरफ्तार आरोपी - 01. *श्रीकांत सिंह पिता राधेश्याम सिंह उम्र 24 साल निवासी जरेलिया थाना नांहशील जिला मथुरा उत्तर प्रदेश*

02. *विनोद कुशवाहा पिता जैनी प्रसाद उम्र 40 साल निवासी सेवला सरांय थाना सदर जिला आगरा उत्तर प्रदेश*।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लालकृष्ण आडवाणी से की मुलाकात, बताया राष्ट्र सेवा का प्रतीक

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनका मार्गदर्शन लिया। रेखा गुप्ता ने लालकृष्ण आडवाणी के संपूर्ण जीवन को राष्ट्र सेवा, त्याग और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बताया। उन्होंने आडवाणी के जीवन को प्रेरणा बताते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन देश की सेवा में समर्पित रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठतम नेता, भारत रत्न आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर भेंट कर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सुअवसर मिला। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, त्याग और समर्पण की एक अनुपम मिसाल है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जल की बूंद-बूंद बचायें, जल से ही सुरक्षित होगा हमारा कल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

30 मार्च को गुड़ी पड़वा से होगा 90 दिवसीय जल गंगा जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पानी से ही जिंदगानी है। हम सभी को जल की बूंद-बूंद बचाने की जरूरत है। जल से ही हम सबका आने वाला कल सुरक्षित है। जल गंगा जल संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक गतिविधियां चलाई जाएं। जन सामान्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों और आम जनता की भागीदारी से जल संरक्षण गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। अभियान में वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई जल गंगा जल संवर्धन अभियान की बैठक ये निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान गुड़ी पड़वा 30 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून 2025 तक तीन माह लगातार चलेगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी अनुपम राजन, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, अभियान से जुड़े अन्य विभागों

के प्रमुख सचिव सहित सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि जल गंगा जल संवर्धन अभियान से प्रदेश में जल संकट को कम करने में मदद मिलेगी और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

जल संरक्षण के लिए उठाए जाएं ठोस कदम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के अंतर्गत जल संचय की विभिन्न गतिविधियां चलाई जाएं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण एवं जल स्रोतों का पुनर्जीवन, गांव-गांव में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यों के अलावा सामुदायिक सहभागिता के जरिए जल संरक्षण के प्रयास किए जाएं। अभियान को सफल बनाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और प्रदेश में अभियान के दौरान इसे एक को जन-आंदोलन बनायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए सकारात्मक अभियान की शुरुआत की जाए। ग्रीष्मकाल में शासकीय स्कूलों में जल संरक्षण की गतिविधियां आयोजित की जाएं। बच्चों के लिए पीने के पानी की टंकी की साफ-सफाई कराई जाए, जिससे विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए है।

प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है बजट : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा आज विधानसभा में वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तुत किया गया। बजट प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गये इस बजट में ग़रीब, युवाओं, अन्नदाता और नारी सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ऊर्जा विभाग के लिए इस वर्ष 37 हजार 734 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में 10 हजार 343 करोड़ रूपये अधिक है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि अटल गृह ज्योति योजना के लिए 7132 करोड़ रूपये और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13909 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। आर.डी.एस.एस. योजना के लिए 2894 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। ट्रांसमिशन एवं वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए 774 करोड़ रूपये एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 5 एच.पी. पंपों तथा एक बत्ती कनेक्शन को नि:शुल्क बिजली देने के लिए 5299 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है । उपरोक्त के अतिरिक्त विद्युत वितरण कंपनियों के सतत् लोन अंशपूंजी में परिवर्तित किए जाने हेतु राशि 5000 करोड रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

विविध-समाचार

दो-दो ट्रिप चलाई जाएगी रीवा-सीएसएमटी-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुविधा हेतु आगामी त्योहारों एवं समर में भीड़ को कम करने के लिए रेल प्रशासन द्वारा रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 02-02 फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा स्टेशन से प्रारम्भ/टर्मिनेट होकर सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जायेगी। स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। गाड़ी संख्या 02187 रीवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार दिनाँक 20 एवं 27 मार्च 2025 को रीवा स्टेशन से दोपहर 15:50 बजे प्रारम्भ होकर सतना 16:55 बजे, मैहर 17:25 बजे, कटनी 18:05 बजे, जबलपुर 19:40 बजे, नरसिंहपुर 20:48 बजे, गाडरवारा 21:18 बजे, पिपरिया 21:53 बजे, इटारसी 23:20 बजे और अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:22 बजे पहुँचकर, भुसावल भोर 04:00 बजे होते हुए और शुक्रवार दोपहर 12:20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 02188 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रीवा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार दिनाँक 21 एवं 28 मार्च 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से दोपहर 13:30 बजे प्रारम्भ होकर भुसावल रात 20:20 बजे पहुँचकर अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:03 बजे, इटारसी 01:15 बजे, पिपरिया 02:13 बजे, गाडरवारा 02:48 बजे, नरसिंहपुर 03:23 बजे, जबलपुर भोर 04:55 बजे, कटनी 06:10 बजे, मैहर 07:03 बजे, सतना 07:40 बजे और शनिवार को 09:45 बजे रीवा स्टेशन पहुँचेगी। ठहराव:- यह गाड़ी रास्ते में दोनों तरफ सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खण्डवा, भुसावल, मनमाड़, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रुकेगी। नोट:- रेलयात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र या ऑनलाइन आईआरसीटीसी वेबसाइट से दिनाँक 13 मार्च 2025 से इस स्पेशल ट्रेन के आरक्षण सुविधा का लाभ उठा सकते है। रेल यात्रियों से अनुरोध है कि स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139 एवं वेबसाइट से ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

भोपाल (आरएनएस)।कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने सभी बैंक शाखाओं को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ देना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सभी बैंकों को क्रेडिट डिपॉजिट रेश्यो बढ़ाने के निर्देश दिए कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक की। बैठक में जिले के विभिन्न बैंकिंग मापदंडों की समीक्षा की गई। स्वनिधि भी स्वाभिमान भी अभियान की प्रगति पर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अगले 10 दिवस में पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री टंटया मामा, बिरसा मुंडा, डॉ. अंबेडकर, संत रविदास योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी, अग्रणी जिला प्रबंधक आलोक चक्रवर्ती, एलडीओ आरबीआई प्रखर उपाध्याय, डीडीओ नाबार्ड जसप्रीत एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अधिक से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन एवं मत्स्य पालन कार्ड के माध्यम से हितग्राहियों को लाभांवित करें। कलेक्टर सिंह ने सभी बैंकों को 31 मार्च तक लक्ष्य के अनुरूप भारत सरकार एवं राज्य सरकार की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

भोपाल मंडल की बेटी का दिल्ली में सम्मान, बनीं WCR की गौरवशाली पहचान

भोपाल मंडल की कल्पना चौरे बनीं देश की टॉप 33 महिला रेलकर्मियों में शामिल

पाँच वर्षों से मालगाड़ियों के वैगनों पर करती हैं वेल्डिंग का कठिन कार्य

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के नाम एक और गौरवशाली उपलब्धि जुड़ गई है। भोपाल मंडल की इटारसी स्थित वैगन रिपेयर वर्कशॉप में पदस्थ तकनीशियन-II (वेल्डर) श्रीमती कल्पना चौरे ने अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और साहसिक कार्यशैली से राष्ट्रीय स्तर पर भोपाल मंडल का नाम रोशन किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन (RWWCO) द्वारा नई दिल्ली के नेशनल रेल म्यूज़ियम ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में श्रीमती कल्पना चौरे को रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ सतीश कुमार ने सम्मानित किया। इस समारोह में पूरे देश से चुनी गईं सिर्फ 33 महिला रेल कर्मचारियों को सम्मानित किया गया था, जिनमें पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों—भोपाल, कोटा और जबलपुर—से चुनी गईं इकलौती महिला कर्मचारी श्रीमती चौरे हैं। श्रीमती कल्पना चौरे एक प्रतिभाशाली और अत्यंत कर्मठ महिला हैं, जो विगत पाँच वर्षों से गुड्स ट्रेनों के वैगनों की वेल्डिंग का चुनौतीपूर्ण कार्य पूरी दक्षता और आत्मविश्वास के साथ स्वतंत्र रूप से करती आ रही हैं। वैगन रिपेयर वर्कशॉप जैसे तकनीकी क्षेत्र में, जो कठिन शारीरिक श्रम और तकनीकी सूझबूझ मांगता है, श्रीमती चौरे का योगदान न केवल उल्लेखनीय है बल्कि प्रेरणादायक भी है। उनकी कार्यकुशलता और परिश्रम से पूरी रेलवे बिरादरी गौरवान्वित महसूस कर रही है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने इस समारोह में कहा कि महिलाएँ आज पुरुषों के बराबर ही नहीं, बल्कि उनसे भी आगे बढ़कर देश के विकास और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी हमारी संस्कृति की शान है और नारी शक्ति, भक्ति एवं जीवन ज्योति की प्रतीक है। उनके शब्दों ने सभी उपस्थितों को नारी शक्ति के सम्मान में भावविभोर कर दिया।

पैक्स कंप्यूटराइजेशन के सफल क्रियान्वयन के लिए पैक्स प्रबंधकों को मिलेगी 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि

भोपालग(आरएनएस) ।मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग में अग्रणी रहा है। केंद्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजना के क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में मध्यप्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के डिजिटाइजेशन एवं सॉफ्टवेयर आधारित अंकेक्षण का कार्य प्रगति पर है।सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में योजना के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए गठित स्टेट लेवल इम्प्लीमेंटेंशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलआईएमसी) की बैठक मंत्रालय में हुई। समिति ने सर्व सम्मति से पैक्स प्रबंधकों/ सहायक समिति प्रबंधकों को एकबारगी राशि 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि की स्वीकृति प्रदान की। इसके लिए 15 मई 2025 तक पैक्स को ई-पैक्स (तातारीख़ सॉफ्टवेयर पर कार्यशील होना) घोषित किया जाना अनिवार्य होगा। साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों (डीसीसीबी) के 2 मास्टर ट्रैनर्स, जिनके बैंक की न्यूनतम 50 प्रतिशत पैक्स को उक्त दिनांक तक ई-पैक्स घोषित किया गया है, को प्रतिमाह राशि 1000 रुपए का प्रोत्साहन आगामी 12 माह तक प्रदान किया जाएगा। पैक्स प्रबंधकों को दी जाने वाले राशि का वहन अपैक्स बैंक तथा मास्टर ट्रेनर को दी जाने वाली राशि का वहन संबंधित डीसीसीबी द्वारा किया जाएगा। इस तरह अच्छे कार्य को सराहना देने में भी मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है। बैठक में श्रीमती सी सरस्वती(मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल), मनोज कुमार गुप्ता (प्रबंध संचालक, अपैक्स बैंक), अम्बरीश वैद्य (संयुक्त आयुक्त, आयुक्त सहकारिता प्रतिनिधि), श्रीमती अंजुली धुर्वे (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डीसीसीबी रायसेन), विनय प्रकाश सिंह (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डीसीसीबी विदिशा) एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

09045/09046 उधना-पटना-उधना होली विशेष ट्रेन 17-17 ट्रिप

भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा होली पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 09045/09046 उधना - पटना - उधना होली विशेष ट्रेन (17-17 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन सहित मार्ग के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 09045 उधना - पटना होली विशेष ट्रेन (17 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 09045 उधना - पटना होली विशेष ट्रेन दिनांक 14, 21, 28 मार्च, 4, 11, 18, 25 अप्रैल, 2, 9, 16, 23, 30 मई, 6, 13, 20, 27 जून 2025 को उधना स्टेशन से सुबह 08:35 बजे प्रस्थान कर, (उसी दिन) मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए शाम 18:15 बजे इटारसी स्टेशन पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 10:30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09046 पटना - उधना होली विशेष ट्रेन (17 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 09046 पटना - उधना होली विशेष ट्रेन दिनांक 8, 15, 22, 29 मार्च, 5, 12, 19, 26 अप्रैल, 3, 10, 17, 24, 31 मई, 7, 14, 21, 28 जून 2025 को दोपहर 13:05 बजे पटना स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए सुबह 04:35 बजे इटारसी स्टेशन एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन दोपहर 14:50 बजे उधना स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में उधना जंक्शन, नंदुरबार, जलगांव जंक्शन, भुसावल जंक्शन, खंडवा जंक्शन, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

संभागायुक्त ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए

भोपाल(आरएनएस)। संभागायुक्त संजीव सिंह ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल, विद्युत कनेक्शन और क्रियाशील शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी आंगनवाड़ी केंद्र समय पर खुलें और बच्चों को नियमित रूप से पोषण आहार वितरित किया जाए।संभागायुक्त सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग नकी जहां कुरैशी और सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को इसे समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कहा।

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल ने बच्चों को बाटे पिचकारी और गुलाल

भोपाल (आरएनएस)। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल रजिस्टर्ड भोपाल ने आगामी होली के त्योहार को देखते हुए जरूरतमंद बच्चों को पिचकारी और गुलाल वितरित किया। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन गोविंदपुरा स्थित गोविंद गार्डन में किया गया, जहां बच्चों को पहले स्वल्पाहार कराया, उसके बाद होली की शुभकामनाएं देते हुए पिचकारी और गुलाल भेंट किए। इस मौके पर मंडल के कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे। इनमें सचिन सेवारमानी, गुड्डू अग्रवाल, गजेंद्र ठाकुर, राधेश्याम कैलाशिया, सचिन आर्य, कपिल ग्वाला, जनार्दन शर्मा, भरत रामचंदानी, सत्य नारायण अग्रवाल, मुकेश रैकवार, उमेश अग्रवाल, अवनीश वर्मा और प्रदीप सोनी सहित अन्य कई सदस्य शामिल थे।

सहकारिता के माध्यम से ही समृद्धि होगी स्थापित : मंत्री श्री सारंग

-सहकारिता विभाग के सभी 25 अनुकंपा नियुक्ति आदेशों का वितरण

-ई-पैक्स प्रशिक्षण सह संवेदीकरण कार्यक्रम पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला

भोपाल (ए.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारिता का संकल्प नए आयाम स्थापित करेगा। सहकारिता के माध्यम से ही समृद्धि स्थापित होगी। जरूरत है मेहनत, लगन और पारदर्शिता की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नवाचार से किये गये कार्य के जरिये व्यक्ति नई ऊंचाईयों को पा सकता है। मंत्री श्री सारंग बुधवार को अपेक्स बैंक परिसर स्थित समन्वय भवन में अपेक्स बैंक एवं नाबार्ड के संयुक्त तत्वावधान में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन योजनांतर्गत ई-पैक्स प्रशिक्षण सह संवेदीकरण कार्यक्रम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने सहकारिता विभाग में 23 अनुकम्पा नियुक्ति पाने वालों को नियुक्ति आदेश भी प्रदान किये। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णबाल भी उपस्थित थे।

ब्रांडिंग और दृढ़ता के साथ काम करने की भावना स्थापित करें

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता में ब्रांडिंग और दृढ़ता के साथ काम करने की भावना स्थापित हो। नित नये नवाचार के जरिये अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा पूरी दुनिया में उदाहरण है जिन्होंने काम किया लोग उन्हें ही याद

रखते है। इसलिये स्वयं अपने व्यक्तित्व निर्माण के साथ उत्कृष्ट कार्य करें, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिले और लोग उन्हें याद रखे।

पैक्स कम्प्यूटराइजेशन में मध्यप्रदेश प्रथम

मंत्री श्री सारंग ने कहा की सीखने की कोई उम्र नहीं होती। सीखने की चाहत सफल बनाती है। सहकारिता के माध्यम से ही अर्थ-व्यवस्था का उन्नयन किया जा सकता है। उन्होंने खुशी जाहिर की कि पैक्स कम्प्यूटराइजेशन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर रहा है। कम्प्यूटराइजेशन की इस बड़ी मुहिम में पारदर्शिता के साथ हमारा प्रयास सफल रहा।

सीपीपीपी मॉडल की सराहना

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश का नया सीपीपीपी (को-ऑपरेटिव पब्लिक प्रायवेट पारटरशिप) मॉडल की ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में सराहना हुई। यही नहीं राज्य सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में 2500 करोड़ के एम.ओ.यू. भी किये। मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता विभाग में अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने वालों को भी जिम्मेदारी के साथ दिये गये काम को सम्पादित करने को कहा। उन्होंने युवाओं से आहवान किया कि पारदर्शिता, निपुणता और व्यावसायिकता के साथ काम करें। इस मौके पर उन्होंने एक मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया। अपेक्स बैंक प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव सहकारिता, आयुक्त सह पंजीयक मनोज पुष्प, नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी.सरस्वती, अपर आयुक्त सहकारिता बी.एस. शुक्ला, अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कालेज के प्राचार्य पी.एस.तिवारी के साथ पूरे प्रदेश के सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक के अधिकारी, जिला बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं पैक्स के प्रबंधक उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन अरविंद बौद्ध, सहायक आयुक्त ने किया, टेक्निकल प्रेजेंटेशन सॉफ्टवेयर वेंडर टीम के प्रतिनिधियों द्वारा तथा बैंकिंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर के.टी.सज्जन, उप महाप्रबंधक अपेक्स बैंक द्वारा सेशन में मॉडरेशन किया गया ।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने ACS मोहम्मद सुलेमान को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत हुई अंतर्विभागीय कार्यशाला

भोपाल (आरएनएस)। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन 11 मार्च को पर्यावरण एवं नियोजन संगठन (एपको) में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में शासकीय एवं निजी क्षेत्र के चिकित्सकों के साथ-साथ लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट आफसाइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, यूनिसेफ कुक्कुट पालन विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी, पुलिस विभाग, मलेरिया विभाग, नगर निगम, जेल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यशाला में यूनिसेफद्वारा विशेष रूप से सहयोग दिया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि पर्यावरण को हो रहा नुकसान भविष्य की सबसे गंभीर समस्या है। इस दिशा में आज ही सचेत होना जरूरी है। आने वाले पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा उपहार स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण है। पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर हो रहे दुष्प्रभावों को रोकने के लिए सभी विभागों और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य विभाग पर्यावरण असंतुलन से होने वाली बीमारियों के उपचार के साथ साथ जागरूकता कार्यक्रमों को भी चला रहा है।

सिंहस्थ के लिए इस साल 2000 करोड़ के काम, उज्जैन की कनेक्टिविटी और शिप्रा पर फोकस

इंदौर (ए.)। तीन साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। 19 से ज्यादा विभागों को अलग-अलग निर्माणों की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार ने इस बार बजट में 2 हजार करोड़ रुपये सिंहस्थ के कामों के लिए रखे है। पिछले साल प्रदेश सरकार ने बजट में सिंहस्थ मद में रखे 500 करोड़ रुपये इन कामों के लिए आवंटित किए हैं। अब उज्जैन में युद्ध स्तर पर काम होंगे, क्योंकि तीन साल में निर्माणाधीन प्रोजेक्टों को पूरा भी करना है। सरकार का फोकस उज्जैन की कनेक्टिविटी और शिप्रा नदी के शुद्धिकरण पर है। अफसरों का अनुमान है कि सिंहस्थ मेले में पंद्रह करोड़ के करीब श्रद्धालु आ सकते हैं, उसके हिसाब से ही घाटों के विस्तार और मेला क्षेत्र के दायरे के प्रोजेक्ट डिजाइन किए गए हैं।

मेला क्षेत्र का दायरा बढ़ाया

इस बार सिंहस्थ में मेला क्षेत्र का दायरा भी बढ़ाया है। मेला क्षेत्र में अस्थाई के बजाए स्थाई निर्माण किया जाएगा। अब सिंहस्थ मेला 3360.6 हेक्टेयर क्षेत्र का रहेगा। विकास योजना में सिंहस्थ मेला क्षेत्र के लिए 2344.11 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल किया जाएगा। मेला क्षेत्र में स्थाई निर्माणों के काम उज्जैन विकास प्राधिकरण करेगा और इसके लिए लैंड पुलिंग योजना के तहत जमीनें ली जाएगी। जलापूर्ति, सीवरेज लाइन के अलावा शौचालय, उद्यान भी बनाए जाएंगे। मेला क्षेत्र के अखाड़ों आश्रमों में भी सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। पिछले बजट में आवंटित 505 करोड़ रुपये से ज्यादा के काम उज्जैन में हो चुके हैं।

बीच मैदान में अचानक चलने लगी गोलियां, सहमे लोग, मौके पर पहुंचे तो दिखे वर्दीधारी

दमोह (ए.)। दमोह शहर में बुधवार सुबह अचानक पुलिस कर्मियों ने गोलियां चलाना शुरू कर दिया। फायरिंग की आवाज सुनकर शहरवासी हैरान रह गए और अपने घरों से बाहर निकलकर उस जगह पहुंचे जहां गोलियां चल रही थीं। वहां जाकर जब सच्चाई का पता चला तो लोगों की शंका का समाधान हुआ। होलिका पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए एक अनूठी पहल की गई। एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देश पर बुधवार सुबह पुरैना तालाब के पास महाराणा प्रताप स्कूल मैदान में बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस के जवान हाथों में डंडा और बंदूक लेकर पहुंचे थे। जिस स्थान पर गोलियां चल रही थी वहां काफी बड़ा मैदान होने के साथ पहाड़ी है। जिससे गोलियों की आवाज गूंज रही थी।

झाबुआ से इंदौर आ रही चार्टर्ड बस में आग, जलने की बदबू आते ही उतर गए थे यात्री

इंदौर (ए.)। इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर राजगढ़ के समीप झाबुआ से इंदौर आ रही एक चार्टर्ड बस में अचानक आग लग गई। बस में 20 से ज्यादा यात्री सवार थे। जिन्हें आग लगते ही बस से उतार दिया। आग लगने की सूचना पर फायर वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, लेकिन तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। बस में आग की घटना के बाद फोरलेन पर दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई, वही इस दौरान करीब एक किलोमीटर दूर तक धुंए का गुबार देखा गया।

बस के चालक उमेश डामोर ने बताया कि चार्टर्ड बस झाबुआ से इंदौर जाने के लिए निकली थी, तभी राजगढ़ के समीप बस के अंदर से जलने की बदबू आने लगी। बस रोकी और नीचे उतरकर देखा तो इंजन के हिस्से में आग दिखाई दी। आग पर पानी डालकर बुझाने की कोशिश की गई लेकिन आग बढ़ती ही जा रही थी।इसी बीच बस में सवार यात्रियों को बस से उतार दिया था। थोडी ही देर में बस हर तरफ से जलने लगी और आग ने विकराल रुप ले लिया।

चार्टर्ड बस में लगी आग लगने की घटना से फोरलेन किनारे स्थित ढाबों में अफरा-तफरी मच गई। फोरलेन के दोनों और वाहनो की कतार भी लग गई। आग लगने की सूचना पर राजगढ़ नगर परिषद की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छिंदवाड़ा (ए.)। आगामी धार्मिक त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सोनपुर मल्टी क्षेत्र में एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 11 मार्च 2025 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति सोनपुर मल्टी क्षेत्र में कमर में देशी पिस्टल लिए घूम रहा है और किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर घेराबंदी कर संजय रघुवंशी पिता सबल सिंह रघुवंशी (उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम बतरी, थाना चांद, जिला छिंदवाड़ा) को गिरफ्तार किया।

भाजपा पार्षद मनोज राय पर महिला कार्यकर्ता ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

सागर (ए.)। खुरई शहरी थाना क्षेत्र की एक 40 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार महिला ने खुरई नगर पालिका के भाजपा पार्षद मनोज राय पर उसके साथ दुराचार करने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में फरियादी की शिकायत पर मामला भी दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

MP Budget 2025 : बजट में घोषणा-महाकाल लोक की तरह ओंकारेश्वर लोक बनेगा

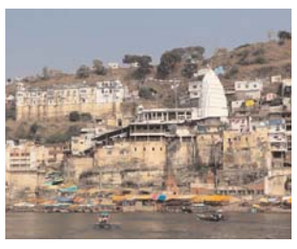

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश सरकार ने इस बार बजट में ओंकारेश्वर लोक बनाने की घोषणा की है। इसका निर्माण महाकाल लोक की तर्ज पर किया जाएगा। यहां पर्यटन की सुविधाएं बढ़ाई जाएगी और यहां के शिव पंचायतन मंदिर परिसर का विकास महाकाल लोक की तर्ज पर किया जाएगा। यहां भित्ति चित्र, प्रतिमाएं लगाई जाएगी।

इससे ओंकारेश्वर का पर्यटन और बढ़ेगा। तीन साल में ओंकारेश्वर लोक बनकर तैयार होगा,क्योंकि सिंहस्थ में आने वाले लोग ओंकारेश्वर भी जाएंगे।

आदि शंकराचार्य ने बाल्यकाल में ओंकारेश्वर में निवास किया था। शिवराज सरकार के समय एकात्म धाम का निर्माण यहां शुरू हुआ था। शंकराचार्य की विशाल प्रतिमा यहां स्थापित की गई है। अब प्रतिमा स्थल के आसपास के विकास कार्यों को किया जाएगा। नागर शैली में अयोध्या के राम मंदिर की तरह ओंकारेश्वर में भी एक मंदिर बनाने की योजना है।

घर में घुसकर चार युवकों ने चाकू-लाठी से किया हमला, पिता की मौत, बेटा गंभीर

जबलपुर (ए.)। माढोताल थानान्तर्गत प्रभात नगर कठौंदा निवासी नुनिया परिवार के घर पहुंचकर चार युवकों ने पिता-पुत्र पर चाकू और लाठी से हमला कर दिया। इस घटना में पिता की मौत हो गई तथा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ कर दी है। इस घटना से क्षेत्र में तनाव की स्थिति व्याप्त है। माढ़ोताल थाना प्रभारी निलेष दोहरे से प्राप्त जानकारी के प्रभात नगर कठौंदा निवासी बच्चू राम नुनिया उम्र 45 अपने परिवार के साथ रहता था। वह फल का कारोबार पर परिवार का पालन करता था। बच्चू राम मंगलवार की रात लगभग दस बजे सोने की तैयारी कर रहा था। तभी मोहल्ले के रहने वाले राजीव, राजा चौधरी, अंकित चौधरी, मुकेश चौधरी के साथ उसके घर आया।

प्रधान डाकघर में 2.12 करोड़ रुपये के गबन का मामला, कैशियर समेत चार कर्मचारी निलंबित

भिंड (ए.)। जिले के प्रधान डाकघर में 2.12 करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आया है, जिसमें कैशियर समेत चार कर्मचारियों की संलिप्तता पाई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने आरोपियों और उनके परिजनों की अचल संपत्तियों की बिक्री पर रोक लगा दी है।

डाकघर में जमा होने वाली राशि को नियमित रूप से बैंक में जमा किया जाता है, लेकिन कैशियर सोनू मीणा ने बैंक में पैसा जमा करने के बजाय फर्जी एंट्री कर दी और राशि का गबन कर लिया। इस पूरे खेल के बाद वह मेडिकल लीव लेकर फरार हो गया। घोटाले की भनक लगने के बाद विभागीय जांच हुई, जिसमें पता चला कि गबन की रकम पहले 1.97 करोड़ रुपये थी, लेकिन आगे की जांच में यह बढ़कर 2.12 करोड़ हो गई। प्रारंभिक जांच में चार कर्मचारियों को घोटाले में दोषी पाया गया, जिनमें से दो मुख्य आरोपी और दो सहदोषी हैं। मुख्य आरोपी में डाक सहायक एवं कार्यवाहक कैशियर सोनू कुमार मीणा और पोस्टमास्टर प्रमोद सिंह भदौरिया का नाम शामिल हैं।

शिवपुरी के निजी अस्पताल में हंगामा, एडवांस पेमेंट नहीं मिला तो डॉक्टर हुआ नाराज, चलाए डंडे

शिवपुरी (ए.)। शहर के एमएम हॉस्पिटल में मरीज की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल के डॉक्टर ने एडवांस 40 हजार रुपये की मांग की, जो तुरंत न दे पाने के कारण घायल को बाहर निकाल दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें डॉक्टर आर.पी. सिंह हाथ में डंडा और उनका बेटा हथियार लिए परिजनों को धमकाते नजर आ रहे हैं।

इलाज नहीं मिला तो हुई मौत - परिजनों का आरोप

शिवपुरी निवासी अशोक खटीक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। परिजन उन्हें एमएम हॉस्पिटल ले गए, जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने 40 हजार रुपये एडवांस मांगे।

व्यापार समाचार

सेबी ने राइट्स इश्यू को पूरा करने की समयसीमा घटाकर 23 दिन की, 7 अप्रैल से लागू

मुंबई (ए.)। कंपनियों को तेजी से पूंजी जुटाने में मदद करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने राइट्स इश्यू को पूरा करने की समयसीमा 126 दिनों से घटाकर 23 दिन कर दी है, जो 7 अप्रैल से प्रभावी होगी।एक सर्कुलर में, पूंजी बाजार नियामक ने राइट्स इश्यू में स्पेसिफिक निवेशकों को अलॉटमेंट के लिए फ्लेक्सिबिलिटी भी प्रदान की है।सेबी ने कहा, नए फ्रेमवर्क के हिस्से के रूप में, सेबी रेगुलेशन, 2018 (सेबी आईसीडीआर विनियम) के संशोधित रेगुलेशन 85 के संदर्भ में, यह निर्दिष्ट किया जा रहा है कि राइट्स इश्यू को जारीकर्ता के निदेशक मंडल द्वारा राइट्स इश्यू को मंजूरी देने की तारीख से 23 कार्य दिवसों के भीतर पूरा किया जाएगा।इसमें कहा गया है, सेबी आईसीडीआर रेगुलेशन के रेगुलेशन 87 के अनुसार और रिवाइज्ड टाइमलाइन को देखते हुए यह निर्दिष्ट किया जा रहा है कि राइट्स इश्यू को सब्सक्रिप्शन के लिए न्यूनतम सात दिन और अधिकतम तीस दिनों के लिए ओपन रखा जाएगा।राइट्स इश्यू में शेयरों की सदस्यता के लिए प्राप्त एप्लीकेशन बोलियों का सत्यापन और अलॉटमेंट के आधार को फाइनल करने का काम भी स्टॉक एक्सचेंज और डिपॉजिटरी द्वारा इश्यू के रजिस्ट्रार के साथ मिलकर किया जाएगा।बाजार नियामक के अनुसार, इस सर्कुलर के प्रावधान 7 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे तथा इस सर्कुलर के लागू होने की तिथि से इश्यूअर के निदेशक मंडल द्वारा अप्रूव्ड राइट्स इश्यू पर लागू होंगे।इस बीच, न्यूली अपॉइंटेड चेयरपर्सन तुहिन कांत पांडे की लीडरशिप में आगामी पहली बोर्ड मीटिंग में सेबी कई प्रमुख विनियामक प्रस्तावों पर चर्चा करने वाला है। प्रस्तावित एजेंडे में डीमैट खातों के लिए यूपीआई जैसी सुरक्षा, क्लियरिंग कॉरपोरेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के दायरे का विस्तार करना और रिसर्च विश्लेषकों द्वारा फी कलेक्शन में बदलाव शामिल हैं। निवेशकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सेबी ने डीमैट खातों के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसा सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

चालू वित्त वर्ष में जनवरी तक 18,120 करोड़ से ज्यादा के हुए ट्रांजैक्शन, डिजिटल पेमेंट में उछाल; यूपीआई सबसे आगे

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में इस साल जनवरी तक यूपीआई सहित डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन 18,120 करोड़ से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है, जिसमें ट्रांजैक्शन वैल्यू 2,330 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कुल डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन 8,839 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18,737 करोड़ हो गया है, जिसमें 46 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि हुई।वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह वृद्धि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के कारण हुई है, जो 69 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा और वित्त वर्ष 2021-22 के 4,597 करोड़ ट्रांजैक्शन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 13,116 करोड़ ट्रांजैक्शन हो गया। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई ने हासिल किया है। इसके अलावा, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर (क्यूआर कोड और पीओएस टर्मिनल), नए व्यापारियों की ऑनबोर्डिंग और थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर (टीपीएपी) भी योजना अवधि के दौरान काफी हद तक बढ़े हैं।

सब्जियों की कीमतें गिरने से फरवरी में घटी खुदरा महंगाई दर, सात महीने के निचले स्तर पर आइ

नई दिल्ली (ए.)। सब्जियों और प्रोटीन युक्त खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट के कारण फरवरी में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.61 प्रतिशत पर आ गई। यह सात महीने का निचला स्तर है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक के लिए अगले महीने ब्याज दरों में दूसरी बार कटौती की गुंजाइश बनी है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई दर जनवरी में 4.26 प्रतिशत और फरवरी 2024 में 5.09 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि फरवरी 2025 के लिए साल-दर-साल मुद्रास्फीति दर 3.75 प्रतिशत थी।

एनएसओ ने अपने आंकड़े में कहा, "जनवरी 2025 की तुलना में फरवरी 2025 में खाद्य मुद्रास्फीति में 222 आधार अंकों की तीव्र गिरावट देखी गई है। फरवरी 2025 में खाद्य मुद्रास्फीति मई 2023 के बाद सबसे कम है।"

एनएसओ ने कहा कि फरवरी के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस और मछली, दालों और उत्पादों; तथा दूध और उत्पादों की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण हुई है। आरबीआई, जिसे खुदरा महंगाई दर को 4 प्रतिशत (दो फीसदी ऊपर या नीचे) के दायरे बनाए रखने का दायित्व सौंपा गया है। रिजर्व बैंक ने महंगाई के मोर्चे पर चिंता कम करने के लिए पिछले महीने अल्पकालिक उधार दर (रेपो) में 25 आधार अंकों की कटौती की थी। केंद्रीय बैंक अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा 9 अप्रैल को करेगा।

जनवरी में औद्योगिक उत्पादन 5 प्रतिशत बढ़ा

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण जनवरी 2025 में भारत का औद्योगिक उत्पादन पांच प्रतिशत बढ़ गया। सरकार ने दिसंबर 2024 के लिए औद्योगिक विकास दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 3.5 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पिछले महीने 3.2 प्रतिशत का अनंतिम अनुमान जारी किया गया था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की हल्की बढ़त के साथ ही 87.20 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 87.23 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.21 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका में मंदी के डर और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने निवेशकों की धारणा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और फिर शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले थोड़ा मजबूत होकर 87.30 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे गिरकर 87.31 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.75 पर था।

एलन मस्क की स्टारलिंक को भारतीय बाजार में उतारेगी एयरटेल , सैटेलाइट से मिलेगा सुपर-फास्ट इंटरनेट

नई दिल्ली (आरएनएस)। दूरसंचार सेवायें प्रदान करने वाली कंपनी भारती एयरटेल ने अमेरिकी उद्योगपति ऐलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं अपने ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए स्पेसएक्स के साथ समझौते किया है।

एयरटेल ने मंगलवार को यहां जारी बयान में यह घोषणा करते हुये कहा कि यह भारत में हस्ताक्षरित पहला समझौता है, जो स्पेसएक्स द्वारा भारत में स्टारलिंक को बेचने के लिए अपने स्वयं के प्राधिकरण प्राप्त करने के अधीन है। यह एयरटेल और स्पेसएक्स को यह पता लगाने में सक्षम बनाता है कि स्टारलिंक एयरटेल की पेशकशों को कैसे पूरक और विस्तारित कर सकता है, और कैसे भारतीय बाजार में एयरटेल की विशेषज्ञता उपभोक्ताओं और व्यवसायों को स्पेसएक्स की प्रत्यक्ष पेशकशों को पूरक बनाती है। एयरटेल और स्पेसएक्स एयरटेल के रिटेल स्टोर में स्टारलिंक उपकरण, एयरटेल के माध्यम से व्यावसायिक ग्राहकों को स्टारलिंक सेवाएं, समुदायों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को जोड़ने के अवसरों के साथ-साथ भारत के सबसे ग्रामीण इलाकों में भी कई अन्य चीजों की पेशकश करने का पता लगाएंगे। एयरटेल और स्पेसएक्स यह पता लगाएंगे कि कैसे स्टारलिंक एयरटेल नेटवर्क का विस्तार और संवर्धन करने में मदद कर सकता है, साथ ही स्पेसएक्स की भारत में एयरटेल के ग्राउंड नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य क्षमताओं का उपयोग करने तथा उनसे लाभ उठाने की क्षमता भी।

एसयूवी एलएक्स 500डी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय बाजार में कार निर्माता लेक्सस कंपनी ने अपनी फ्लैगशिप एसयूवी एलएक्स 500डी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। नई लेक्सस एलएक्स 500डी में दमदार 3.3-लीटर वी6 डीजल इंजन दिया गया है, जो 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है। इसकी टॉप स्पीड 210 किमी/घंटा है। इसे दो वैरिएंट्स—अर्बन और ओवरटेल में पेश किया गया है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 3 करोड़ रखी गई है, जबकि ओवरटेल वैरिएंट की कीमत रुपए 3.12 करोड़ तय की गई है। इससे पहले इसकी कीमत रुपए 2.83 करोड़ थी, लेकिन अपडेट के बाद इसमें रुपए 17 लाख की बढ़ोतरी हो गई है। अर्बन वैरिएंट को शहरों में बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि ओवरटेल वैरिएंट को ऑफ-रोडिंग के लिए तैयार किया गया है। ग्रिल, अलॉय व्हील्स और टायर डिजाइन में हल्के बदलाव किए गए हैं, जिससे एसयूवी को नया लुक मिलता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें अत्याधुनिक सेफ्टी सिस्टम 3.0 दिया गया है, जिसमें प्री-कोलिजन सिस्टम, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग और सेफ्टी एग्जिट असिस्ट शामिल हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (ए)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई हैं हालांकि निजी बैंकिंग शेयरों में बढ़त रही जिससे गिरावट पर कुछ हद तक अंकुश लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 73 अंक करीब 0.1 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 74,030 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंकों की गिरावट के साथ 22,470 पर बंद हुआ।

वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 168 अंक की बढ़त लेकर 74,270.81 पर खुला। वहींनिफ्टी 39 अंक की चढ़कर 22,536 पर खुला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों को लेकर जारी अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पैसा निकालने से भी बाजार पर दबाव आया।वहीं एशियाई बाजारों में आज बढ़त दर्ज की गई, जबकि वॉल स्ट्रीट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ योजनाओं और संभावित मंदी की चिंताओं के बीच उतार-चढ़ाव भरा रहा। जापान का निक्की इंडेक्स सपाट रहा पर हल्की गिरावट के संकेत दिखे, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.69 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.18 फीसदी जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 1.6 फीसदी नीचे आया।दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में बिकवाली का दौर जारी है।अमेरिकी की अस्थिर व्यापार नीति का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डाउ जोंस लगभग 500 अंक गिरा, जिससे दो दिनों में इसकी कुल गिरावट 1,400 अंकों तक पहुंच गई जबकि एसएंडपी में 0.8 फीसदी की गिरावट आई। नैस्डैक हालांकि बेहतर प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 0.2 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह आज सुबह बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 168 अंक की बढ़त लेकर 74,270.81 पर खुला। वहीं एनएसई निफ्टी 39 अंक चढ़कर 22,536 पर खुला।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। यह याद रखना चाहिए कि 22 फरवरी, 1994 को भारत की संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें दोहराया गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है, और रहेगा। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोडना होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है।

वास्तव में जयशंकर की टिप्पणी संसद के इसी प्रस्ताव की प्रतिध्वनि है। जयशंकर ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भारत का पहला प्राथमिक कदम था। सूबे में विकास, आर्थिक गतिविधियां और सामाजिक न्याय की बहाली दूसरा कदम और यहां निष्पक्ष चुनाव कराना तीसरा कदम था। वास्तव में भारत अच्छी तरह से जानता है कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर उसके लंबे समय से चले आ रहे दावे के अलावा पाकिस्तान का भी दावा है और स्वयं उन कश्मीरियों का अपना दावा है जो उस हिस्से की आजादी की मांग कर रहे हैं या भारत में विलय के लिए मांग कर रहे हैं।

चौथा दावा चीन का भी है जिसने वहां भारी निवेश किया है। इस अर्थ में जयशंकर का कहना जायज है कि पीओके भारत के नियंत्रण में आ जाए तो वह भी भारतीय जम्मू-कश्मीर की तरह विकास के रास्ते पर बढ़ सकता है। परंतु व्यवहार में यह काम इतना आसान नहीं है। हाल-फिलहाल यह हो सकता है कि पीओके में पाकिस्तानी सरकार के जो जुल्म बढ़ रहे हैं और जिनसे वहां के निवासी आक्रांत रहे हैं, उनके लिए वैश्विक समर्थन जुटाया जाए और स्वयं भारत भी उन्हें स्पष्टत: आश्वासन दे कि वह उनकी जायज मांगों का समर्थक है। गिलगिट-बलूचिस्तान में रहने वाले लोगों ने अपने क्षेत्र पर पाकिस्तान के बलात कब्जे को कभी स्वीकारा नहीं है।यहां राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसद हिस्सा यहीं है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब एक करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस इलाके में सर्वाधिक बलूच हैं। इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्तान भी कहा जाता है। भारत को पीओके के निवासियों की पूरी चिंता है। लेकिन भारत का यह पक्ष केवल बातों में ही नहीं, व्यवहार में भी सामने आना चाहिए। पाकिस्तान के अवैध कब्जे से कश्मीर के इस हिस्से को भारत में वापस लाने का एक रास्ता यह हो सकता है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून नगर निगम में होली अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान फोटो खिंचवाते हुए.

नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर विवाद

अजीत द्विवेदी

यह अनुरोध सिर्फ केंद्र सरकार से नहीं है, बल्कि तमिलनाडु सरकार से भी है। नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर जो विवाद केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच छिड़ा है वह कोई भाषा और संस्कृति का विवाद नहीं है, बल्कि राजनीतिक विवाद है। इसलिए किसी भी भाषा को और खास कर हिंदी को खलनायक बनाने की जरुरत नहीं है। असलियत यह है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दोनों पक्ष अपने अपने हथियारों को धार दे रहे हैं। यह दुर्भाग्य होगा अगर एक बार फिर भाषा का विवाद छिड़ेगा और राजनीतिक फायदे के लिए पार्टियां इसका इस्तेमाल करेंगी। ऐसा लग रहा है कि चार साल शासन करने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भाषा के विवाद में अवसर दिख रहा है तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को इसी बहाने अपने को हिंदी हितैषी दिखाने का मौका मिला है। हिंदी हितैषी का यह नैरेटिव भाजपा को अगर तमिलनाडु में ज्यादा फायदा नहीं भी पहुंचाता है तब भी देश के 40 फीसदी से ज्यादा हिंदी भाषी इलाके में अच्छी बढ़त दिला सकता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक राजनीतिक मसला है, जिसका भाषा और संस्कृति से ज्यादा सरोकार नहीं है। एमके स्टालिन नई शिक्षा नीति यानी एनईपी के बहाने हिंदी बनाम तमिल का मुद्दा इसलिए बना रहे हैं ताकि वे अपने को द्रविड अस्मिता का चैम्पियन दिखा सकें। वे एक आभासी लड़ाई छेड़ कर उसका राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। इस तरह के कई काम वे और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन पहले भी कर चुके हैं। उदयनिधि ने इसी तरह के राजनीतिक लाभ के लिए सनातन धर्म के खिलाफ अवांछित टिप्पणी की थी। सनातन बनाम द्रविड संस्कृति का विवाद उन्होंने खड़ा किया था तो तमिल बनाम हिंदी का विवाद एमके स्टालिन बना रहे हैं। पहले तो उनका विरोध इतना था कि वे एनईपी के जरिए त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने और तमिल व अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी पढ़ाए जाने के प्रयास का विरोध कर रहे थे। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार हिंदी थोपना चाहती है।

लेकिन बाद में उन्होंने हिंदी का विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी का वर्चस्व स्थापित करने के प्रयासों के चलते उत्तर भारत की 25 बोलियां समाप्त हो गईं। उनका यह निष्कर्ष भी राजनीतिक है और अधूरा है। अव्वल तो उत्तर भारत की बोलियां समाप्त नहीं हुई हैं। आज भी

करीब 15 करोड़ लोग भोजपुरी बोलते हैं और पूर्वांचल के अलावा देश भर में और विदेशों में भी भोजपुरी बोली जाती है। भोजपुरी के अलावा बिहार में मगही, मैथिली, अंगिका, वज्जिका आदि बोलियां भी चलती हैं तो उत्तर प्रदेश में भोजपुरी के साथ साथ अवधि व ब्रज भाषा का भी चलन है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में भी कई बोलियां प्रचलित हैं। इन बोलियों को मानक भाषा नहीं माना गया है। मानक भाषा के तौर पर हिंदी को संविधान में स्वीकार किया गया। संविधान बनाने वालों ने 1950 हिंदी को आधिकारिक राजभाषा बनाया और साथ ही कहा कि 15 साल तक अंग्रेजी सहायक राजभाषा बनी रहेगी। हालांकि बाद में तमिलनाडु और दूसरे राज्यों के विरोध की वजह से 15 साल की समय सीमा हटा दी गई। इसलिए हिंदी के साथ साथ अंग्रेजी भी कामकाज की भाषा बनी हुई है। तभी हिंदी को उसका विकास करने वाली बोलियों के विरोध में खड़ा करने की स्टालिन की राजनीति ठीक नहीं है।

अगर उनके इसी तर्क के हिसाब से देखें तो सवाल उठेगा कि क्या तमिल भाषा ने तमिल बोलियों को समाप्त नहीं किया है? तमिलनाडु के अलग अलग इलाकों में कई बोलियां प्रचलित रही हैं। आज भी अनेक बोलियों का अस्तित्व है लेकिन उनको मानक तमिल भाषा नहीं माना जाता है। कोंगु तमिल, मद्रास बशई, मदुरै तमिल, नेलाई तमिल, कुमारी तमिल आदि बोलियां हैं। इसके अलावा श्रीलंका के जाफना में या मलेशिया में मानक या शास्त्रीय तमिल भाषा नहीं इस्तेमाल होती है। वहां की अलग बोलियां हैं। ऐसा ही कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि मानक भाषाओं का विकास भी बोलियों से ही हुआ है। जिस तरह से उत्तर भारत की बोलियों ने हिंदी को समृद्ध किया है उसी तरह अन्य मानक भाषाएं भी अपनी बोलियों से ही समृद्ध हुई हैं। इसलिए भाषा और बोली के बीच दशकों पहले सुलझ चुके विवाद को फिर से छेडने की जरुरत नहीं है।

दूसरी अहम बात यह है कि अगर अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य संपर्क भाषा की बात होगी तो क्या वह हिंदी नहीं होगी? हिंदी के अलावा किसको पूरे देश की संपर्क भाषा कह सकते हैं? क्या तमिलनाडु के लोग देश के दूसरे हिस्सों में जाते हैं तो वे हिंदी का प्रयोग नहीं करते हैं? क्या वे हिंदी की फिल्में नहीं देखते हैं या हिंदी के गाने नहीं सुनते हैं? देश में उनका काम तमिल और अंग्रेजी के दम पर नहीं चल सकता है। खुद तमिलनाडु का तीर्थाटन और पर्यटन का विशाल कारोबार बड़ी हिंदी आबादी के दम पर ही चल रहा है। हिंदी भाषी पर्यटकों के साथ तमिल लोगों को कामचलाऊ हिंदी से कोई आपत्ति नहीं होती है। परंतु स्टालिन ने अपने राजनीतिक फायदा के लिए इसका विवाद बना दिया है।

इसी तरह भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने भी राजनीतिक लाभ के लिए इसे मुद्दा बनाया है। नई शिक्षा की नीति में कई चीजें अच्छी हैं, जिनको लागू कराना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार का सारा जोर हिंदी पढ़वाने पर है। वह अपने को हिंदी हितैषी दिखाने के लिए दूसरी भाषाओं को हिंदी के विरोध में खड़ा करवाने की राजनीति कर रही है। वैसे भी तमिलनाडु में बड़ी संख्या में केंद्रीय विद्यालय हैं, जिनमें हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसी तरह ज्यादातर निजी स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड वाले स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। क्या इतना पर्याप्त नहीं है, दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए? इसके अलावा भी दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए संस्थाएं बनी हैं। फिर क्यों केंद्र सरकार तमिलनाडु के सरकारी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कराने में लगी है? अगर त्रिभाषा फॉर्मूले की ही बात करें तो उत्तर भारत के कितने स्कूलों में इसको लागू किया गया है? ज्यादातर सरकारी स्कूलों में सारी पढ़ाई हिंदी में ही होती है। उत्तर भारत की बड़ी आबादी के लिए अंग्रेजी आज भी एलियन भाषा है। अंग्रेजी पढ़ाने के लिए रखे गए ज्यादातर शिक्षक हिंदी में ही अंग्रेजी पढ़ाते हैं। ज्यादातर जगहों पर तीसरी भाषा के तौर पर संस्कृत को रखा गया है इसके बावजूद अधिकतर छात्रों को सिर्फ परीक्षा पास करने लायक संस्कृत आती है, जिसका इस्तेमाल वे फिर जीवन में कभी नहीं करते हैं।

कुंभ में डुबकी पापों को पुण्य में बदला

हरिशंकर व्यास

जो आस्थावान हैं वे परमहंस अवस्था में हैं। उन्हें मुक्ति मिली। मोक्ष के साथ स्वर्गलोक में स्थान पक्का! जीवन तथा जन्म धन्य। ऐसे कोई 66 करोड़ हिंदुओं ने मौका नहीं चुका है। इन्होंने कुंभ में डुबकी लगाई और पापों को पुण्य में बदला। जन्म-जन्मांतर से मुक्ति हुई। स्वर्ग (ब्रह्म में लीन) सुख की गारंटी पाई। दूसरी तरफ वे संसारजीवी हिंदू हैं, जो हैरानी से मन ही मन मान रहे हैं कि मार्केटिंग के रणनीतिकारों की कोई न कोई टोली, कोई थिंक टैंक है, जिसकी प्लानिंग से योगी और मोदी हिंदुओं में आस्था की सुनामी बनाते हुए हैं!

बकौल प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में- यह आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है।

सौ टका सही बात है। निश्चित ही डोनाल्ड ट्रंप व इलॉन मस्क सहित दुनिया के उन सभी कर्णधारों को अपने राजनीतिक-धार्मिक, कारोबारी रणनीतिकारों को हड़काते हुए आदेश देना चाहिए कि वे भारत जा कर योगी और मोदी के चरणों में बैठें, उनसे सीखें! इन्होंने 45 दिनों में पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है। हिंदू आस्था की महाशक्ति के विश्व रिकॉर्ड बने हैं। सो, कहां गए हमारे धर्म के धर्माचार्य? हमें वेटिकन में भीड़ का रिकॉर्ड बनाना है। जाहिर है इस होड़ में सर्वाधिक घायल चीन ही होगा।

इसलिए क्योंकि वह कम्युनिस्ट देश है। धर्म तथा आस्थाविहीन देश है। उसे मोदी के भारत ने पहले आबादी में पछाड़ा। अब आस्था की ताकत में भी पछाड़ा!

गौर करें कुंभ बाद सरकारी प्रेस रिलीज, मीडिया रिपोर्टों की इन बातों पर कि 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। अमेरिका सहित एक सौ देशों की आबादी से अधिक लोग कुंभ के दौरान प्रयागराज पहुंचे। यह संख्या मक्का और वेटिकन सिटी जाने वाले श्रद्धालुओं से भी अधिक है। सऊदी अरब के मक्का और मदीना जाने वाले हजयात्रियों से यह संख्या दो सौ गुना अधिक है। इस महाकुंभ ने इतिहास रचा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कई रिकॉर्ड बने हैं आदि, आदि।

बेखबर नहीं रहें गुर्दे की स्वास्थ्य को लेकर

(विश्व गुर्दा रोग दिवस 13 मार्च पर विशेष)

(लेखक- कुमार कृष्णन)

गुर्दा की बीमारी की ओर अक्सर लोग बेखबर रहते हैं, 8 फीसदी से 10 फीसदी वयस्क किसी न किसी तरह की किडनी क्षति से प्रभावित होते हैं। दुर्भाग्ये से आधे से अधिक मरीज अपनी बीमारी के बारे में तब जान पाते हैं जब उनका गुर्दा 60 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्तस हो चुका होता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थातन द्वारा किए गए अध्य6यन के अनुसार गुर्दे के लगभग 1.50 लाख नए मरीज़ हर वर्ष बढ़ जाते हैं जिनमें से बहुत थोड़े लोगों को किसी प्रकार का इलाज उपलब्धी हो पाता है। इस समस्यार ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। हर वर्ष गुर्दे की पुरानी बीमारी से ग्रस्तग लाखों मरीज इलाज के बिना रह जाते हैं अथवा बीमारी का शुरू में पता न लग पाने या गुर्दे के प्रतिरोपण के लिए धन की कमी के कारण या मेल खाते हुए गुर्दे के उपलब्धस न हो पाने के कारण प्रतिरोपण नहीं हो पाता। भारत में हर साल लगभग पांच लाख गुर्दे का प्रत्य्रोपण किए जाने की आवश्यकता होती है, लेकिन इस मंहगी प्रक्रिया के माध्याम से कुछ हज़ार मरीज ही नया जीवन प्राप्ते कर पाते हैं।हर वर्ष मार्च माह के दूसरे बृहस्पतिवार को सारे विश्वर में विश्वी गुर्दा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व गुर्दा दिवस 13 मार्च को जाएगा। गुर्दे के महत्वे और गुर्दे की बीमारी तथा उससे जुड़ी अन्यह बीमारियों के खतरे को कम करने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सन् 2006 से प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्व गुर्दा रोग दिवस 2025 का नारा है, क्या आपकी किडनी ठीक है? जल्दी पता लगाएँ, किडनी के स्वास्थ्य की रक्षा करें. यह साल भर चलने वाला अभियान है।

मेष राशि- आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनंद उठाएंगे। पारिवारिक काम निपटाने के लिहाज से दिन अच्छा है।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने के योग बन रहे है। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जाएंगे। कुछ लोग प्रतिस्पर्धा की भावना से आपके प्रति अफवाह फैला सकते हैं।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे हैं। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगिंग में रुझान है आज उन्हे किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप महंगी खरीददारी के बारे में भी अपना मन बना सकते है, लेकिन आखिरी समय में आपको निर्णय लेने में मुश्किल होगी।

कर्क राशि- आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते है। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी टॉपिक को समझने में शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी पसंद की जाएगी। साथ ही आज दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं को न रोकें, जो कार्य आपको अच्छा लगें, वहीं करें। शाम का समय आपके लिए चुनौती भरा हो सकता है।

कन्या राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चो को ज्ञान की बातें बतायेंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले।

तुला राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खूब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आयेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन आ सकते है, अपने मित्र से शेयर करके आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आयेंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते है जो भविष्य में काम आयेगा।

धनु राशि- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरूरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आन्नद लेंगे। इस राशि के नव-विवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते है, जिससे उनके बीच चल रही अनबन दूर होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगार होगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी। आपका नए लोगों से जल्दी ही परिचय हो सकता है। सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होगी। जिससे आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा। कार्यों को आप धैर्य पूर्वक पूरा करेंगे, जिससे आपका काम सफल होगा।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज जो भी फैसला करें काफी सोच विचार कर ही करें, हो सके तो परिवार वालों की राय जरूर लें। दोस्तों को आज डिनर कराने के लिए आप किसी रेस्टोरेंट में ले जाएंगे। आज करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा।

रासायनिक रंगों से बचें, प्राकृतिक रंगों को अपनाए

योगेश कुमार गोयल

रंगों के त्यौहार होली पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा। लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग चिंता का सबब बनने लगा है। ज्यादातर रंग अम्लीय अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिससे होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है।

ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शुष्क त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं व बच्चों की कोमल त्वचा पर तो इन रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिनमें मवाद भरा होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई

बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं। इसलिए अगर आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो इन बातों पर अवश्य ध्यान दें:-

- रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।

- होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम अथवा सनस्क्रीन क्रीम लगा लें ताकि रोमछिद्र बंद हो जाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी।

- होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों पर कैस्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाया जा सके।

- होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके।

- महिलाएं होली खेलते समय मोटे तथा ढ़ीले-ढ़ाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें। सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है।

- आप ऐसा व्यवहार हरगिज न करें, जिससे आपके रिश्तेदारों, पति के मित्रों अथवा अन्य पुरूषों को आपसे छेड़छाड़ करने का अनुचित अवसर मिल सके। अपना व्यवहार पूर्णत: संयमित, शालीन और मर्यादित रखें और सामने वाले की कोई गलत हरकत देखने के बाद भी उस पर मौन साधकर उसे और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित न करें।

- होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही, हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा क्लींजिंग मिल्क से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें। रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिटकरी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटर्जेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है।

- स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं।- बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें।

- स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 13 मार्च 2025 ,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

HAPPY होलिका दहन

फरवरी में खुदरा महंगाई दर में आई गिरावट, खाने-पीने की चीजों की कीमत 21 महीने में सबसे कम

नई दिल्ली (ए.)। गिरावट का रुख जारी रखते हुए खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में सात महीने के निचले स्तर 3.61 प्रतिशत पर आ गई। इसका मुख्य कारण सब्जियों और प्रोटीन युक्त वस्तुओं की कीमतों में कमी आना है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए अगले महीने ब्याज दरों में दूसरी बार कटौती की गुंजाइश बन गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 4.31 प्रतिशत और दिसंबर में 5.22 प्रतिशत थी। पिछली सबसे कम मुद्रास्फीति अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अक्टूबर से गिरावट पर है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी 2025 के लिए साल-दर-साल मुद्रास्फीति दर 3.75 प्रतिशत थी। इसने कहा, जनवरी 2025 की तुलना में फरवरी 2025 में खाद्य मुद्रास्फीति में 222 आधार अंकों की तीव्र गिरावट देखी गई है। फरवरी

2025 में खाद्य मुद्रास्फीति मई 2023 के बाद सबसे कम है। एनएसओ ने कहा कि फरवरी के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस और मछली, दालों और उत्पादों; तथा दूध और उत्पादों की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण हुई है। आरबीआई, जिसे खुदरा मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत (+/- 2 प्रतिशत) पर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, ने मुद्रास्फीति के मोर्चे पर चिंताओं को कम करने के लिए पिछले महीने अल्पकालिक उधार दर (रेपो) में 25 आधार अंकों की कमी की है। केंद्रीय बैंक 9 अप्रैल को द्विमासिक मौद्रिक नीति के अगले सेट की घोषणा करने वाला है। इससे पहले, कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में 5.01 प्रतिशत और 5.05 प्रतिशत से जनवरी में क्रमश: 4.61 प्रतिशत और 4.73 प्रतिशत पर थोड़ी कम हुई। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जनवरी 2025 के महीने के लिए क्रमश: 4 अंक और 3 अंक घटकर 1,316 और 1,328 अंक पर पहुंच गया।

उत्तर प्रदेश के संभल में होली को लेकर मस्जिदों को तिरपालों से ढंकने का काम शुरू

संभल(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के संभल में होली को लेकर सड़क किनारे स्थित मस्जिदों को सुरक्षित करने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से उन्हें तिरपालों से ढंकने की कवायद शुरू कर दी गई है। एएसपी श्रीशचंद्र ने बताया कि सभी पक्षों की सहमति के बाद होली के मार्ग पर पड़ने वाले सभी मस्जिदों को ढंका जा रहा है। पूर्व की भांति यह व्यवस्था हो रही है। जुलूस के रास्ते में 10 धार्मिक स्थल पड़ते हैं, जिन्हें ढंका जा रहा है। दोनों पक्षों के लोगों से इसको लेकर बातचीत की गई है। दोनों ही पक्षों ने इस फैसले पर सहमति जताई है। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने त्योहारों से पहले सुरक्षा-व्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि शांति समिति की बैठकें की गई हैं। इसके साथ ही सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने क्षेत्र में भ्रमण करने को कहा गया है और त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं।

होली और रमजान के मद्देनजर मिलावटखोरों के खिलाफ FSSAI सख्त, डेयरी प्रोडक्ट्स को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (T) को मार्च के दौरान डेयरी एनालॉग्स पर निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि त्योहारी सीजन को ध्यान में रखा जा सके। इस सक्रिय उपाय का उद्देश्य बढ़ती मांग के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट और गलत लेबलिंग को रोकना है। यह खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटने और खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए FSSAI के चल रहे उत्पाद-विशिष्ट मासिक निगरानी अभियान को जारी रखता है। खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य योजक) विनियमों के अनुसार, डेयरी एनालॉग्स ऐसे उत्पाद हैं जिनमें गैर-दूध घटक आंशिक रूप से या पूरी तरह से दूध घटकों की जगह लेते हैं, लेकिन दिखने, बनावट और कार्यक्षमता में दूध या दूध उत्पादों से मिलते-जुलते हैं। डेयरी एनालॉग्स को दूध, दूध उत्पाद या मिश्रित दूध उत्पाद नहीं माना जाता है। जब मानकीकृत दूध उत्पादों को दूध वसा या दूध प्रोटीन जैसे प्रमुख दूध घटकों को वनस्पति तेल, वसा या प्रोटीन से बदलकर संरचनागत रूप से बदल दिया जाता है, तो परिणामी उत्पाद को एनालॉग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। FSSAI विनियमन के तहत डेयरी एनालॉग को ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें दूध से प्राप्त न होने वाले घटक आंशिक रूप से या पूरी तरह से किसी भी दूध घटक (घटकों) की जगह लेते हैं और अंतिम उत्पाद इन विनियमों में परिभाषित दूध या दूध उत्पाद या मिश्रित दूध उत्पाद जैसा दिखता है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पटना में होली समारोह के दौरान संबोधित किया.

दक्षिणी तमिलनाडु में भारी बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

चेन्नई (आरएनएस)। मौसम विभाग ने दक्षिणी तमिलनाडु के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बुधवार को बताया कि दक्षिणी तमिलनाडु में भारी बारिश के आसार हैं। बारिश का कारण बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र है, जो तमिलनाडु के तट के पास है और समुद्र से 1.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। इसके चलते, कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली और थूथुकुडी जिलों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम

विभाग ने इन क्षेत्रों के साथ-साथ तेनकासी जिले में भी भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। साथ ही चक्रवाती तूफान के खतरे के कारण मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, तमिलनाडु और पुडुचेरी में बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शहर के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के बाद मंगलवार को तमिलनाडु में भारी बारिश हुई थी, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ, जबकि दालों, मूंगफली और मक्का जैसी गर्मियों की फसलों को लाभ भी हुआ है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो लुटेरे गिरफ्तार किए

नोएडा (ए.)। नोएडा थाना सेक्टर 58 पुलिस ने मंगलवार देर रात एक मुठभेड़ के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर 58 पुलिस बीती रात को बिशनपुर गांव के पास बेरिकेड लगाकर जांच कर रही थी, तभी बाइक पर सवार दो लोग आते हुए दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि संदिग्ध होने पर पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश रूकने के बजाए वहां से भाग निकले। शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने पीछा करके उन्हें घेर लिया और अपने आप को पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर गोली चला दी। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। अपर उपायुक्त ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी शकील के पैर में लगी। उन्होंने बताया कि इसका एक साथी फरीद मौके से भाग गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। शुक्ला ने बताया कि इन बदमाशों के पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से लूटे गए पांच मोबाइल फोन, देसी तमंचा, कारतूस व लूट में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल आदि बरामद की है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों के खिलाफ पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

नीतीश भांग पीकर आते हैं विधान परिषद में : राबड़ी देवी

पटना (ए.)। बिहार विधानपरिषद में बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रतिपक्ष की नेता राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नोकझोंक के बाद अन्य विपक्षी सदस्यों के साथ सदन के मुख्य द्वार पर धरना देने पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं और भांग पीकर सदन में आते हैं। वहीं, उनके (राबड़ी देवी के) बेटे और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव कुमार को मानसिक रूप से अस्थिर बताते हुए उनके इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानपरिषद में यह समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की सदस्य शशि यादव सदन के समक्ष यह कहने के लिए अपनी कुर्सी से खड़ी हुईं कि वह अपने प्रश्न का सरकार द्वारा दिये गए उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं। विधानपरिषद के सदस्य कुमार ने अपनी सीट बैठे-बैठे ही यह टिप्पणी की कि सरकार बहुत कुछ कर रही है। पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया। कुमार के जवाब से असंतुष्ट राबड़ी देवी ने हस्तक्षेप करते हुए उनसे कहा कि आप दावा करते हैं कि आपके कार्यभार संभालने से पहले कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा, कृपया उस अवधि के रिकॉर्ड तलब करें। आप बेहतर तौर पर समझ जाएंगे।

बिहार में पिता ने 4 बच्चों को दूध में दिया जहर, 3 की तड़प-तड़प कर मौत

आरा ,(आरएनएस)। बिहार के आरा जिले से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने चार बच्चों को जहर देकर मारने के बाद खुद भी जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। इस हृदयविदारक घटना में तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि पिता और एक अन्य बच्चे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना आरा जिले में मंगलवार रात को घटी। मृतक बच्चों की पहचान और उम्र अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस के अनुसार, अरविंद कुमार नामक व्यक्ति ने अपने बच्चों को दूध में जहर मिलाकर पिला दिया, और फिर स्वयं भी जहर का सेवन कर लिया।

नेताओं को सांप्रदायिक विवाद पैदा करने वाले बयान देने से बचना चाहिए : अजित पवार

मुम्बई (ए.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने हाल में बयान दिया था कि मुसलमान छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना का हिस्सा नहीं थे। जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख पवार से राणे की इस टिप्पणी के संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि नेताओं को यह ध्यान में रखना चाहिए कि उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए बयानों से सांप्रदायिक तनाव पैदा न हो। पवार ने कराड में कांग्रेस के दिवंगत नेता और राज्य के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण की जयंती पर उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बादकहा कि राजनीति में पक्ष या विपक्ष के ''कुछ नेता कभी-कभी ऐसे बयान दे देते हैं जो महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए हानिकारक होते हैं। अतीत में, राज्य के नेताओं ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है और यह सुनिश्चित किया है कि विभिन्न समुदाय साथ मिलकर शांतिपूर्वक रह सकें। पवार ने कहा कि एक संप्रभु राज्य की स्थापना करते समय शिवाजी महाराज ने कभी भी जाति या पंथ के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा, ''नेताओं को, चाहे

वे सरकार में हों या विपक्ष में, बयान देते समय सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि सांप्रदायिक विवाद पैदा न हो। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में देशभक्त मुसलमान रहते हैं। इस बात के प्रमाण हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में कई मुसलमानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी...। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसे भ्रामक बयान देने का उद्देश्य समझ में नहीं आया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक इनामी समेत पांच नक्सली गिरफ्तार

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक इनामी समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के उसूर थाना क्षेत्र में मारूड़बाका गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने पांच नक्सलियों --नारायण भण्डारी (45), धरमा काका (21), नीला काका (25), किस्टा ध्रुवा (30) और रामबाबू पूनेम (26) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि नक्सली नारायण मारूड़बाका दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन का अध्यक्ष है तथा उसके सर पर एक लाख रूपए का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में चल रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत सोमवार को उसूर थाने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जिला पुलिस बल के संयुक्त दल को नेलाकांकेर, मारूड़बाका और कमलापुर गांव की ओर रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि इस दौरान सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर मारूड़बाका गांव के जंगल से पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों से माओवादी पर्चे, बैटरी और अन्य सामान बरामद किये गये। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

उच्च न्यायालय ने संभल स्थित जामा मस्जिद की पुताई कराने का निर्देश दिया

प्रयागराज (ए.)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को संभल स्थित जामा मस्जिद की पुताई का काम एक सप्ताह में पूरा करने का बुधवार को निर्देश दिया। संबद्ध पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने एएसआई को मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई और वहां लाइट लगाने का निर्देश दिया। मस्जिद की पुताई और लाइट लगाने का निर्देश पारित करते हुए अदालत ने कहा कि एएसआई मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई के संबंध में मस्जिद कमेटी द्वारा दायर हलफनामे का स्पष्ट जवाब देने में विफल रहा। इससे पूर्व, सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एएसआई के वकील से स्पष्ट करने को कहा था कि मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई को लेकर उसके क्या पूर्वाग्रह हैं। बुधवार को मस्जिद कमेटी की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई कि कमेटी का निवेदन मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई कराने और लाइट लगाने का है जिस पर एएसआई द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया है तथा एएसआई केवल मस्जिद की भीतरी दीवारों की बात कर रहा है। इस पर अदालत ने उक्त आदेश पारित किया। मस्जिद कमेटी के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने सोमवार को कहा था कि आज की तिथि तक एएसआई के हलफनामे में यह साफ नहीं किया गया है कि एएसआई मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई और सजावटी लाइट लगाने से क्यों इनकार कर रहा है। नकवी ने बाहरी दीवारों की कुछ रंगीन तस्वीरें भी पेश की थीं जिससे पुताई की जरूरत का पता चलता है।

निकाय चुनाव में शानदार जीत के लिए जनता-जनार्दन का आभार : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़(आरएनएस)। हरियाणा के नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 में से 9 नगर निगमों में विजय हासिल की है। वहीं, मानेसर से निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. इंद्रजीत यादव ने जीत का परचम लहराया है। चुनाव में कांग्रेस को एक भी मेयर पद नहीं मिला है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निकाय चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस जीत के लिए मैं प्रदेश की जनता-जनार्दन का आभार जताता हूं। ये जीत जनता की जीत है और ये पीएम मोदी जी की गारंटी और सभी कार्यकर्ताओं की जीत है। हरियाणा में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। निकाय चुनाव के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उनका धन्यवाद करेंगे।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची में आगामी त्योहारों से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की.

सिनेमाघरों में फिर लौट रही प्यार और दोस्ती की कहानी, 21 मार्च री-रिलीज होगी यारियां

इन दिनों पुरानी फिल्मों को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने का सिलसिला सा चल पड़ा है। बीते वर्ष से ही यह ट्रेंड शुरू

हुआ और अब तक धमाकेदार अंदाज में जारी है। मार्च तक ही कई पुरानी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं और कुछ ने तो अपनी मूल रिलीज से ज्यादा कारोबार री-रिलीज के समय किया है। री-रिलीज फिल्मों की लिस्ट में यारियां का नाम भी जुड़ने जा रहा है। फिल्म यारियां साल 2014 में रिलीज हुई थी। इसमें रकुल प्रीत सिंह और हिमांश कोहली लीड रोल में नजर आए। अब इस महीने फिल्म फिर रिलीज होने जा रही है। टी-सीरीज के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें लिखा है, दोस्ती, प्यार और नॉस्टैल्जिया फिर से सिनेमाघरों में लौट रहे हैं। फिल्म यारियां आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 मार्च 2025 को री-रिलीज होगी। साझा किए गए पोस्टर में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट नजर आ रही है और साथ में लिखा है, यारों की री-यूनियन। इस फिल्म की री-रिलीज को लेकर नेटिजन्स का उत्साह देखने लायक है। यूजर्स टी-सीरीज का शुक्रिया अदा कर रहे हैं और लिख रहे हैं, टी-सीरीज शुक्रिया हमारी पसंदीदा फिल्म फिर दिखाने के लिए। एक यूजर ने लिखा, हम स्कूल के दिनों में फिल्म के सारे गान गाया करते थे।

खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ सकती हैं मल्लिका शेरावत, निर्माताओं ने किया संपर्क

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत को पिछली बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

अब खबर आ रही है कि मल्लिका जल्द ही रोहित शेट्टी का स?टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खि?लाड़ी के 15वें सीजन में नजर आएंगी।वह इस शो का हिस्सा बनने को लिए काफी उत्साहित हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, मल्लिका स?टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में बतौर प्रतियोगी भाग लेने के लिए तैयार हैं।निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया था और इस सीजन में दिलचस्पी दिखाई है।बता दें कि इससे पहले भी मल्लिका को यह शो ऑफर किया गया था, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के चलते वह इसमें भाग नहीं ले पाईं। हालांकि, इस साल उनकी तरफ से चीजें सकारात्मक दिख रही हैं।मल्लिका के अलावा खतरों के खिलाड़ी 15 में एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह, ईशा सिंह, चुम दरंग, सिद्धार्थ निगम, बसीर अली, गुलकी जोशी और भाविका शर्मा सहित कई अन्य सितारे नजर आ सकते हैं।मोहसिन खान को शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है।बता दें कि खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है और इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है।

बॉडीकॉन आउटफिट में कहर ढा रहीं प्रज्ञा जैसवाल, लेटेस्ट तस्वीरें देखकर हो जाएंगे फिदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड और सिजलिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स से सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।प्रज्ञा जैसवाल की लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ग्रीन कलर का बॉडीकॉन शॉर्ट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। बता दें कि प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

सिकंदर का नया गाना बम बम भोले रिलीज, रश्मिका-काजल के साथ होली के रंगों में डूबे सलमान खान

होली के त्यौहार का सभी इंतजार करते हैं और अगर होली में धमाकेदार म्यूजिक का साथ मिल जाए तो इसका रंग और भी बढ़ जाता है. अब बॉलीवुड में इन गानों की कमी नहीं है लेकिन नया गाना हो तो एक अलग ही रंग जम जाता है. तो इस बार सलमान खान अपने फैंस के लिए होली स्पेशल सॉन्ग लेकर आए हैं. जिसका टाइटल है बम बम भोले. वादे के मुताबिक आज ये गाना रिलीज हो गया है.सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर का गाना बम बम भोले शंभू रिलीज कर दिया गया है. मेकर्स ने इसे आज ही रिलीज करने का वादा किया था और उन्होंने अपने वादे को निभाया भी है. गाने में सलमान खान और रश्मिका के साथ ही काजल अग्रवाल की झलक भी देखी गई है. साथ ही इसमें होली का रंग भी जमकर उड़ रहा है, रंग और गुलाल के साथ गाने की जबरदस्त बीट इसे फुल होली स्पेशल सॉन्ग बनाती है.शान और देव नेगी ने गाया है वहीं प्रीतम ने इसे कंपोज किया है. गाने को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफ करते थक नहीं रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, बम बम भोले, सिकंदर ब्लॉक बस्टर. एक ने लिखा, परफेक्ट फैमिली होली सेलिब्रेशन सॉन्ग. एक यूजर ने लिखा, भाईजान इज बैक, सिकंदर. एक ने लिखा, अब जमेगा ना होली का रंग, ये प्योर मेलोडी है. सलमान खान ने कुछ दिन पहले ही सिकंदर का टीजर रिलीज किया है जो धमाकेदार एक्शन और जबरदस्त डायलॉग से भरपूर है.

फिल्म जाट का नया टीजर हुआ जारी, सनी देओल ने कर दिया एलान मैं हूं जाट, रणतुंगा से होगी तगड़ी टक्कर

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जाट' को लेकर मेकर्स लगातार नए टीजर जारी कर रहे हैं और फिल्म को लगातार चर्चाओं में बनाए रखे हुए हैं। यही कारण है कि फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह भी अब बढ़ता जा रहा है। आज एक बार फिर 'जाट' के मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा एक नया टीजर जारी किया है, जिससे ये पता चलता है कि फिल्म में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच तगड़ा एक्शन होने वाला है।

फिल्म के निर्माताओं की ओर से आज एक नया टीजर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया, जिसे सनी देओल ने भी शेयर किया है। 30 सेकंड के इस वीडियो टीजर ने जारी होते ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर में सनी देओल के किरदार जाट और रणदीप हुड्डा के किरदार रणतुंगा के बीच तगड़ी फाइट देखने को मिल रही है, जो बताती है कि फिल्म एक्शन से भरपूर होने वाली है। वीडियो में सनी कहते हैं, मैं हूं जाट। हाथ में सिगरेट लिए सनी की एंट्री काफी धांसू दिख

रही है। तो वहीं वो सीलिंग फैन समान बड़ा पंखा लेकर भी लड़ते दिख रहे हैं। इस टीजर में रणदीप हुड्डा का भी खूंखार अंदाज देखने को मिला है।

वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए मेकर्स की ओर से पोस्ट में लिखा गया, बॉक्स ऑफिस पर जाट की बादशाहत कायम रखने के लिए 30 दिन बचे हैं। इस बैसाखी एक ब्लॉकबस्टर फिल्म आपका मनोरंजन करेगी। जाट 10 अप्रैल को दुनियाभर में रिलीज होगी

इससे पहले कल 10 मार्च को मेकर्स ने फिल्म से रणदीप हुड्डा के लुक और किरदार का खुलासा करते हुए एक वीडियो शेयर किया था। इस टीजर वीडियो की शुरूआत में रणदीप का किरदार कहता है, मुझे अपना नाम बहुत पसंद है, रणतुंगा। वीडियो में जबरदस्त एक्शन देखने को मिला, जहां रणदीप हुड्डा काफी खूंखार अंदाज में नजर आए। इस वीडियो को शेयर करते हुए रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मेरा नाम है रणतुंगा।

नीना गुप्ता की आचारी बा का ट्रेलर जारी, 14 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर होगी स्ट्रीम

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता को पिछली बार अनुपम खेर के साथ फिल्म कागज 2 में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब नीना जल्द ही फिल्म आचारी बा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी, जिसके निर्देशक की कमान हार्दिक गज्जर ने संभाली है।आइए बताते हैं आप यह फिल्म कब और कहां देख पाएंगे। आचारी बा का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। नीना की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है।निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, बा की रेसिपी: सपने, हिम्मत और ढेर सारा मसाला। यह फिल्म 14 मार्च, 2025 ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के उपलब्ध होगी।नीना के अलावा इस फिल्म में मानसी राछ, कबीर बेदी, वत्सल शेठ और वन्दना पाठक जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।आचारी बा के अलावा नीना फिल्म वध 2 में नजर आएंगी। यह 2022 में आई फिल्म वध का सीक्वल है। इसमें संजय मिश्रा भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।जसपाल सिंह संधू और राजीव बर्णवाल इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। वध की कहानी एक मासूम जोड़ी की है, लेकिन दोनों को मजबूरन एक ऐसा अपराध करना पड़ा है, जिसकी वे खुद भी कल्पना नहीं कर सकते।

इन लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए बैंगन, घर लाने से पहले एक बार जान लें ये बात

बैंगन कई लोगों को पसंद होता है. इस बैंगनी रंग की सब्जी में स्वादिष्ट स्वाद के साथ-साथ कई गुण भी होते हैं. इसे भर्ता या सब्जी के रूप में खाएं, यह हर तरह से स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है. हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है. कई बार डॉक्टर भी गर्भावस्था के दौरान बैंगन खाने से बचने की सलाह देते हैं क्योंकि आमतौर पर इसका सेवन एमेनोरिया और प्रीमेंस्ट्रुअल डिसऑर्डर के इलाज के लिए किया जाता है.

बैंगन उन सब्जियों में से एक है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है. यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है. लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बैंगन को कुछ खाद्य पदार्थों के साथ मिलाकर खाने से शरीर को नुकसान हो सकता है. आइए जानें कि बैंगन के साथ कौन से खाद्य पदार्थ नहीं खाना चाहिए और किसे नहीं खाना चाहिए...

बैंगन में फोलेट, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन बी 3, बी 6, बीटा कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई पोषक तत्व होते हैं. इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है. फाइबर की उच्च मात्रा के कारण पेट जल्दी भरा हुआ महसूस होता है. इसके साथ ही यह अतिरिक्त वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है. इसके अलावा, बैंगन ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का सुझाव है कि बैंगन को कुछ खाद्य पदार्थों के साथ नहीं खाना चाहिए...

* कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि बैंगन खाते समय दूध पीना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है. दूध और बैंगन को एक साथ पचाना मुश्किल होता है. इससे कब्ज, पेट दर्द और अन्य पाचन समस्याएं हो सकती हैं. दूध पीने से, विशेषकर बैंगन युक्त भोजन खाने के बाद, पाचन क्रिया खराब हो सकती है तथा असामान्य लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं.

* बैंगन की प्रकृति गर्म होती है, जबकि दही की प्रकृति ठंडी होती है. इन दो विरोधी गुणों को एक साथ खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि, इस बात पर कोई पूर्ण प्रमाण तो नहीं है, लेकिन कुछ शोध बताते हैं कि बैंगन को दही के साथ नहीं खाना चाहिए.

* कई लोगों को भोजन के बाद चाय पीने की आदत होती है. लेकिन बैंगन खाने के तुरंत बाद चाय पीने से शरीर की आवश्यक पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है. चाय एक टैनिन-समृद्ध पेय पदार्थ है, जो बैंगन में मौजूद लौह तत्व को ठीक से अवशोषित नहीं कर पाता. इससे एनीमिया की समस्या हो सकती है.

* लाल मांस को पचाने की प्रक्रिया में काफी समय लगता है. इसी

तरह बैंगन भी फाइबर से भरपूर होता है, इसलिए दोनों को एक साथ खाने से पेट में अपच की समस्या हो सकती है. इससे पेट में सूजन और अप्राकृतिक गैस की समस्या हो सकती है.

किसे बैंगन नहीं खाना चाहिए?

1.एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए बैंगन शरीर में लौह के अवशोषण को कम कर सकता है.

2.एलर्जी की समस्या- बैंगन कुछ लोगों के लिए त्वचा की समस्याएं, चकत्ते और श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है.

3.किडनी की समस्याएं.. बैंगन में मौजूद कुछ पदार्थ किडनी की पथरी की समस्या को और बढ़ा सकते हैं.

4.आंखों में जलन वाले लोग-अगर आपकी आंखों में किसी भी तरह की समस्या है और जलन या सूजन है, तो बैंगन का सेवन न करें.

5.बवासीर से पीड़ित लोग- अगर आप बवासीर से पीड़ित हैं तो बैंगन का सेवन न करें क्योंकि इससे आपकी समस्या बढ़ सकती है.

बैंगन स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है. हालांकि, अगर इसका सेवन सही तरीके से नहीं किया जाए तो कुछ लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. इसलिए, बैंगन खाते समय उपरोक्त निर्देशों का पालन करना स्वास्थ्य के लिए उचित है...

बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कितनी देर सोना चाहिए, जरूर जानें

बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है. अगर बच्चे सही से सोते हैं तो उनका दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है और उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. वह एक्टिव भी रहते हैं. हालांकि, कई माता-पिता यह नहीं जानते कि उनके बच्चों को दिन में कितनी देर सोना चाहिए. क्योंकि बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को कम या ज्यादा समय तक सुलाते हैं. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कितनी देर सोना चाहिए. खबर के माध्यम से जानते हैं कि बच्चों को कब और कितनी देर तक सोना चाहिए...

बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार से कितनी देर सोना चाहिए

नवजात शिशु (0-3 महीने): नवजात शिशुओं को भरपूर नींद की जरूरत होती है. उन्हें दिन में 14 से 17 घंटे सोना चाहिए. यह नींद सिर्फ दिन और रात में ही आती है, और सिर्फ थोड़े समय के लिए. नवजात शिशु जितना ज्यादा सोते हैं, वे उतने ही स्वस्थ होते हैं.

शिशु (4-12 महीने): इस उम्र के बच्चों को 12 से 16 घंटे की नींद लेनी चाहिए. दिन में 2 से 3 बार छोटी-छोटी झपकी लेना जरूरी है. अच्छी नींद बच्चों के तेज़ी से विकास में मदद करती है.

छोटे बच्चे (1-2 वर्ष): बच्चों को प्रतिदिन 11 से 14 घंटे सोना चाहिए. इस उम्र में दिन में उचित नींद लेना आवश्यक है. इस उम्र के बच्चों को भी अधिक नींद की जरूरत होती है.

प्रीस्कूलर (3-5 वर्ष): इस आयु के बच्चों को 10 से 13 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है. इस आयु में कई बच्चों को दिन में नींद आना कम हो जाता है. हालांकि, पर्याप्त नींद लेना महत्वपूर्ण है.

स्कूल जाने वाले बच्चे (6-12 वर्ष): इन बच्चों को प्रतिदिन 9 से 12 घंटे सोना चाहिए. आपको रात को जल्दी सोने और सुबह समय पर उठने की आदत डालनी चाहिए. इससे बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है.

किशोर (13-18 वर्ष): किशोरों को कम से कम 8-10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है. इस उम्र में पढ़ाई और मोबाइल फोन के कारण नींद प्रभावित होती है. इसलिए, स्क्रीन समय को नियंत्रित किया जाना चाहिए. इस उम्र के बच्चों को टीवी, मोबाइल, टैब या लैपटॉप के साथ ज्यादा समय नहीं बिताना चाहिए.

बच्चों की अच्छी नींद के लिए महत्वपूर्ण टिप्स

सोने और जागने के लिए एक विशेष समय निर्धारित करें.

सोने से पहले मोबाइल फोन, टीवी और वीडियो गेम से दूर रहें.

रात को हल्का एवं पौष्टिक भोजन दें.

सोने से पहले कोई कहानी सुनाएं या कोई आरामदायक गतिविधि करें.

कमरे का माहौल शांत और आरामदायक बनाएं.

कई बार बच्चे आंतरिक समस्याओं के कारण ठीक से सो नहीं पाते. यदि नवजात शिशु जोर-जोर से चिल्ला रहा है और सो नहीं पा रहा है, तो माता-पिता को अपने बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए...

अफरीदी बोले, पीसीबी प्रमुख अपने पास खेल के जानकारों को रखें

लाहौर (ए)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी से कहा है कि वह अपने करीब ऐसे अनुभवी लोगों को रखे जिन्हें खेल की जानकारी हो। अफरीदी ने कहा कि नकवी ने पीसीबी का कार्यभार संभालने के बाद से ही खेल को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है पर उनके आसपास नौकरशाह हैं जो बाधाएं पैदा कर रहे हैं। पाक टीम का हाल में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टीम टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरणों में ही बाहर हो गई। चैम्पियंस ट्रॉफी में मेजबान होने का भी टीम लाभ नहीं उठा पायी।

अफरीदी ने कहा, मैंने कुछ दिन पहले लाहौर में चेयरमैन साहब से मुलाकात की। जिस प्रकार से उन्होंने मैदानों में सुधार किया है, वह अच्छा कदम है। गद्दाफी स्टेडियम में किया गया काम काफी अच्छा और सुंदर है। उन्होंने अच्छा काम किया है और वे आगे भी काम करना चाहते हैं पर उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें क्रिकेट के बारे में कुछ नहीं पता। तब मैंने उन्हें कहा कि जब आपको क्रिकेट के बारे में नहीं पता तो आपको अच्छे तकनीकी लोगों के साथ काम करना चाहिए जिनका खेल से कुछ संबंध हो। आज चयन समिति और निदेशकों में जो चेहरे हम देख रहे हैं वे क्रिकेट नहीं जानते। वे सभी नौकरशाह रहे हैं। उनका क्रिकेट से क्या नाता है? वे चयन समिति में क्यों बैठे हैं? वे घरेलू क्रिकेट सिस्टम क्यों चला रहे हैं जो उन्हें आता नहीं है? हर कोई पाकिस्तान टीम को देख रहा है, टीम को बेहतर बनाने आपको घरेलू क्रिकेट संरचना को मजबूत करना चाहिए। मैंने उनसे कहा, ' कि मुझे कोई पद नहीं चाहिये पर अगर आपको मेरी जरुरत हो तो मैं सहायता के लिए तैयार हूं।

आईएमएलः इंडिया मास्टर्स गुरुवार को पहला सेमीफाइनल खेलेंगे

रायपुर, (आरएनएस)। श्रीलंका मास्टर्स, इंडिया मास्टर्स, वेस्टइंडीज मास्टर्स और ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने पहले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

इंडिया मास्टर्स, जो अपने पांच लीग मैचों में आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, गुरुवार को रायपुर में पहला सेमीफाइनल खेलेगा। वे अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेंगे।

श्रीलंका मास्टर्स, जो आठ अंकों और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है, शुक्रवार को रायपुर में दूसरे सेमीफाइनल में लीग चरण में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स और इंग्लैंड मास्टर्स के बीच आज बाद में रायपुर में खेले जाने वाले आखिरी लीग मैच के बाद अंक तालिका में तीसरा और चौथा स्थान स्पष्ट हो जाएगा।

मैं आईपीएल में खिलाड़ियों को रिलीज करने के नियम को बदल दूंगा

-बटलर के जाने पर सैमसन ने कहा

नई दिल्ली, (आरएनएस)।आईपीएल 2025 सीजन से पहले, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उनके करीबी दोस्त, विकेटकीपर-ओपनर जोस बटलर को जाने देना उनके लिए सबसे मुश्किल काम था और अगर उनके पास आईपीएल में कोई नियम बदलने की शक्ति होती, तो वह खिलाड़ियों को कभी रिलीज न करने देते।

आरआर ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और शिमरोन हेटमायर को रिटेन किया, जिसका मतलब था कि उनके पास बटलर को रिटेन करने के लिए कोई स्लॉट नहीं था, जो अब 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी सीजन में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलेंगे।

आईपीएल आपको एक टीम का नेतृत्व करने और उच्चतम स्तर पर खेलने का अवसर देता है, लेकिन यह आपको घनिष्ठ मित्रता बनाने का भी अवसर देता है। जोस बटलर मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक हैं। हमने सात साल तक एक साथ खेला, एक लंबी बल्लेबाजी साझेदारी बनाई। हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते थे और हमेशा संपर्क में रहते थे। वह मेरे लिए एक बड़े भाई की तरह थे।जब मैं कप्तान बना, तो वह मेरे उप-कप्तान थे और टीम का नेतृत्व करने में मेरी मदद करने में उन्होंने बहुत बड़ी भूमिका निभाई। उन्हें जाने देना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण चीजों में से एक रहा है। इंग्लैंड सीरीज के दौरान भी, मैंने उन्हें डिनर पर बताया था कि मैं अभी भी इससे उबर नहीं पाया हूं। अगर मैं आईपीएल में एक चीज बदल सकता, तो मैं खिलाड़ियों को रिलीज करने के नियम को बदल देता।

रोहित का वनडे से संन्यास नहीं लेने का मतलब उनका लक्ष्य 2027 विश्व कप खेलना है

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा का वनडे से संन्यास नहीं लेने का मतलब है कि उनका लक्ष्य 2027 पुरुष वनडे विश्व कप खेलना है। रोहित ने भारत के कप्तान के रूप में अपना दूसरा आईसीसी खिताब जीता, जब टीम ने दुबई में 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया। पिछले साल बारबाडोस में विश्व कप जीतने के बाद जिस तरह से उन्होंने टी20 प्रारूप से संन्यास लिया था, उसी तरह से रोहित के वनडे से संन्यास लेने की अफवाहें चल रही थीं।

लेकिन कप्तान, जिन्होंने 76 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द फाइनल का पुरस्कार जीता, ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन सभी बातों को खारिज कर दिया। जब आप अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंचने लगते हैं, तो हर कोई आपके संन्यास का इंतजार कर रहा होता है।पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, और मुझे नहीं पता कि क्यों, जब आप अभी भी उतना ही अच्छा खेल सकते हैं जितना उन्होंने (फाइनल में) खेला है, तो मुझे लगता है कि वह बस उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अभी भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। और मुझे लगता है, तथ्य यह है कि उन्होंने ऐसा कहा, मेरे लिए, इसका मतलब है कि उनके दिमाग में अगले (50 ओवर) विश्व कप (2027 में) में खेलने का लक्ष्य होना चाहिए।रोहित ने भारत को घरेलू धरती पर 2023 पुरुष वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खिताबी मुकाबले में पैट कमिंस की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया के हाथों छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा।पोंटिंग का मानना है कि 2027 वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम की कमान संभालने के रोहित के फैसले के पीछे अधूरा काम होने की भावना हो सकती है, जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शायद यह तथ्य कि वे पिछला मैच हार गए थे और वह कप्तान थे, शायद यही बात उनके दिमाग में चल रही है। टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और वनडे विश्व कप जीतने की कोशिश में बस एक और मौका है। मेरा मतलब है, जब आप उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल की तरह खेलते हुए देखेंगे, तो आप यह नहीं कहेंगे कि उनका समय अभी खत्म हो गया है।

अगर बुमराह को फिर से वहीं चोट लगी तो यह उनके लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है : बॉन्ड

नईदिल्ली,(आरएनएस)। अगर जसप्रीत बुमराह के पीठ पर फिर से उसी जगह चोट लगती है, जहां उनकी सर्जरी हुई थी तो यह न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड के अनुसार बुमराह के करियर के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। बॉन्ड का करियर भी लगातार पीठ की चोटों के कारण समय से पहले समाप्त हो गया था। बुमराह ने इस साल की शुरुआत में सिडनी में न्यू ईयर टेस्ट के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। इस मैच के दूसरे दिन बुमराह स्कैन के लिए मैदान से बाहर गए थे। पहले इसे पीठ की ऐंठन बताया गया था, लेकिन बाद में यह एक स्ट्रेस फ्रैक्चर निकला, जिसके कारण वह हाल ही में संपन्न हुए चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। बुमराह इस समय बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं और उनकी पूरी फिटनेस को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है कि वह आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए खेलेंगे या नहीं।बॉन्ड ने मुंबई इंडियंस के लिए कई वर्षों तक बुमराह के गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था। उनका मानना है कि बुमराह के कार्यभार को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करना होगा ताकि उनकी चोट फिर से न उभर जाए। वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच के रूप में भारत में मौजूद बॉन्ड ने बताया कि जैसे ही बुमराह सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन केवल पांच ओवर गेंदबाजी करने के बाद स्कैन के लिए गए, उन्हें शक हो गया कि यह स्ट्रेस से जुड़ी हुई चोट है। बॉन्ड इस सदी में पीठ की सर्जरी करवाने वाले पहले तेज गेंदबाजों में से एक थे। उन्होंने 29 साल की उम्र में यह सर्जरी करवाई थी, जो वही उम्र है जब बुमराह ने भी अपनी सर्जरी करवाई।

स्वितोलिना, एंड्रीवा, स्वीयाटेक इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

इंडियन वेल्स(आरएनएस)। यूक्रेन की 23वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बारिश का सामना करते हुए 5-7, 6-1, 6-2 से नंबर 4 वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पूर्व इंडियन वेल्स सेमीफाइनलिस्ट ने अपनी शुरुआती असफलताओं को भुलाकर मैच को अपने पक्ष में मोड़ दिया और अंतिम 15 गेम में से 12 गेम जीतकर अपने 21वें डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जो 2021 के बाद से उनका पहला मैच था।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में धुंध भरे दिन पर, स्वितोलिना और पेगुला को तीसरे सेट के पहले गेम के बाद बारिश के कारण लंबे समय तक खेल में देरी का सामना करना पड़ा। यह स्वितोलिना ही थी जो बीच में अपनी आंखों में आग लेकर वापस आई। उसने पेगुला को पीछे धकेल दिया और जीत के साथ आगे निकल गई।

पेगुला ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्टिन खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स में प्रवेश किया, लेकिन स्वितोलिना शीर्ष पर रही, जिसने अपने करियर की आठ भिड़ंत में पेगुला पर अपनी तीसरी जीत हासिल की।

स्वितोलिना, जो 2019 के बाद पहली बार टेनिस पैराडाइज में क्वार्टर फाइनल में है, का सामना मीरा एंड्रीवा से होगा, जिसने तीन सप्ताह में दूसरी बार एलेना रिबाकिना को 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

17 वर्षीय रूसी एंड्रीवा का रेगिस्तान में यह सफर दुबई चैंपियनशिप में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के तुरंत बाद शुरू हुआ, जिसने उन्हें 2007 के बाद से शीर्ष 10 में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बना दिया।इससे पहले, इगा स्वीयाटेक ने 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पोल ने तीन राउंड में केवल छह गेम गंवाए हैं, जो मोनिका सेलेस के इंडियन वेल्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के दौरान सबसे कम गेम गंवाने के रिकॉर्ड की बराबरी करता है, जिसमें कम से कम तीन मैच खेले गए हैं।इस प्रक्रिया में, स्वीयाटेक तीन इंडियन वेल्स ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर रही हैं, और 1991 में मार्टिना नवरातिलोवा के बाद से यहां खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली महिला बनेंगी।

गंभीर मसूरी में पंत की बहन की शादी में शामिल होंगे; संगीत समारोह में धोनी, रैना ने किया डांस

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर मसूरी, देहरादून में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी में शामिल होंगे। सोमवार को मेहंदी समारोह के साथ मसूरी में शादी का जश्न शुरू हो चुका है।मंगलवार को पूर्व कप्तान एमएस धोनी, सुरेश रैना और पंत जैसे भारतीय क्रिकेट सितारों ने संगीत समारोह में डांस फ्लोर पर धमाल मचा दिया। इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में धोनी और रैना को लोकप्रिय सूफी गीत दमा दम मस्त कलंदर पर अपने डांस मूव्स दिखाते हुए देखा जा सकता है।धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ समारोह में शामिल होने के लिए मंगलवार को देहरादून पहुंचे, जबकि रैना अपनी पत्नी प्रियंका के साथ थे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के भी शादी समारोह में शामिल होने की उम्मीद है।पंत, जो दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, सोमवार सुबह भारत आए और जश्न मनाने के लिए परिवार के सदस्यों में शामिल हुए।

विदेश समाचार

मस्क के सपोर्ट में ट्रंप ने खरीद ली टेस्ला कार, कीमत जान हर कोई हैरान!

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला का समर्थन करते हुए हाल ही में कंपनी की एक नई कार खरीदी है। इसकी कीमत लगभग 76,880 डॉलर (करीब 67 लाख रुपये) बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की एक साथ तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें दोनों एक टेस्ला कार के सामने खड़े हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने यह टेस्ला कार एलन मस्क की मदद से चुनी है। मस्क, जिन्हें ट्रंप के 'गवर्नमेंट एफिशिएंसी डिपार्टमेंट (DOGE)' का नेतृत्व करते हुए बताया गया है, ने ट्रंप के लिए टेस्ला कारों की पूरी श्रृंखला प्रस्तुत की। बताया जा रहा है कि ट्रंप ने लाल रंग की Model X को चुना और उसे 'काफी सुंदर' बताया। मस्क ने उन्हें बुलेटप्रूफ डिज़ाइन वाली साइबरट्रक भी दिखाई। एक मौके पर जब ट्रंप टेस्ला की स्पीड का परीक्षण कर रहे थे, तो मस्क उनके साथ यात्री सीट पर बैठे थे और मजाक में कहा कि यह सब देखकर सीक्रेट सर्विस को हार्ट अटैक आने वाला है। ट्रंप का यह टेस्ला खरीदना ऐसे समय में हुआ है जब टेस्ला के शेयर बाजार में गिरावट का सामना कर रहे हैं। इसे टेस्ला और एलन मस्क के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। पिछले तीन महीनों में टेस्ला के शेयरों में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट आई है, और अकेले सोमवार को 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। टेस्ला को हाल के महीनों में बिक्री में भी कमी का सामना करना पड़ा है, जिसमें यूरोप में 45 प्रतिशत, जर्मनी में 76 प्रतिशत और चीन में 11.5 प्रतिशत की गिरावट शामिल है। टेस्ला के शेयरों में गिरावट के कारण एलन मस्क की संपत्ति में भी कमी आई है।

पुर्तगाल : लुइस मोंटेनेग्रो की गिरी सरकार, संसद में नहीं हासिल कर पाए जरुरी मत

लिस्बन (आरएनएस)। पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए, जिससे उनकी सरकार गिर गई। एक साल से भी कम समय तक चली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। इसमें भाग लेने वाले 224 सांसदों में से केवल मोंटेनेग्रो की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी), पीपुल्स पार्टी (सीडीएस-पीपी) और लिबरल इनिशिएटिव ने उनका समर्थन किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोशलिस्ट पार्टी (पीएस), दूर-दराज़ चेगा, लेफ्ट ब्लॉक (बीई), कम्युनिस्ट पार्टी (पीसीपी), लिवरे और पैन के एकमात्र सांसद ने उनके खिलाफ़ मतदान किया। सटीक वोटों की गिनती तुरंत उपलब्ध नहीं थी, लेकिन संसद के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको ने कहा कि केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार हार गई। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के नेतृत्व वाली दो-पक्षीय गठबंधन सरकार, जो एक साल से भी कम समय से सत्ता में है, के पास मौजूदा 230 सीटों वाली विधायिका में सिर्फ़ 80 सीटें हैं। विपक्षी सांसदों के भारी बहुमत ने इसके खिलाफ़ मतदान करने की कसम खाई थी। पुर्तगाल के संविधान के तहत, विफल विश्वास मत के लिए सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। मोंटेनेग्रो का प्रशासन अब एक कार्यवाहक क्षमता में काम करेगा, जो केवल आवश्यक और ज़रूरी मामलों को संभालेगा। राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा से संसद को भंग करने और अचानक चुनाव कराने की उम्मीद है, जिसके बारे में उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि यह 11 मई या 18 मई को हो सकता है। मोंटेनेग्रो ने अपने कार्यकाल के दौरान दो पिछले विश्वास प्रस्तावों के बाद, खुद ही विश्वास मत की पहल की। एक पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय से जुड़े हितों के टकराव के घोटाले के कारण उनका नेतृत्व सवालों में घिर गया था। सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस नेता के रूप में, मोंटेनेग्रो आम चुनाव जीतने के बाद अप्रैल 2024 में प्रधान मंत्री बने।

नासा ने चलाया ब्रह्मास्त्र अब ब्रह्मांड का रहस्य जान सकेगी दुनिया

-नया स्पेस टेलीस्कोप आकाशगंगाओं पर रखेगा नजर, बनाएगा नक्शा

वॉशिंगटन (ए)। अब अंतरिक्ष में एक और कारनामा होने रहा है। अब आसमान की पूरी तरह से मैपिंग हो सकेगी। लाखों गैलेक्सी यानी आकाशगंगाओं पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए नासा ने अपने ब्रह्मास्त्र को अंतरिक्ष की सैर पर भेजा है। नासा का सबसे नया स्पेस टेलीस्कोप मंगलवार को कक्षा की ओर रवाना हो गया है। इसे इसलिए बनाया गया है ताकि यह पूरे आकाश का नक्शा ऐसा बना सके, जैसा पहले कभी नहीं बना। यह सैकड़ों-करोड़ों गैलेक्सीज यानी आकाशगंगाओं और समय की शुरुआत से लेकर अब तक उनकी कॉस्मिक चमक पर एक व्यापक नजर डालेगा।

स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया से स्फेयरएक्स ऑब्जर्वेटरी यानी वैधशाला लॉन्च की है। यह पृथ्वी के ध्रुवों के ऊपर से उड़ान भरेगा। इसके साथ ही सूरज का अध्ययन करने के लिए सूटकेस के आकार के चार उपग्रह भेजे हैं। 48.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्फेयरएक्स मिशन का उद्देश्य यह है कि अरबों सालों में आकाशगंगा कैसे बनीं और कैसे विकसित हुईं और ब्रह्मांड का विस्तार अपने पहले क्षणों में इतनी तेजी से कैसे हुआ।

हमारी अपनी मिल्की वे आकाशगंगा में स्फेयरएक्स ऑब्जर्वेटरी तारों के बीच बर्फ के बादलों में पानी और जीवन की अन्य सामग्रियों की तलाश करेगा, जहां नए सौर मंडल उभरते हैं। शंकु के आकार का स्फेयरएक्स का वजन 1,110 पाउंड यानी 500 किलोग्राम है। यह एक बड़े पियानो के वजन के बराबर है। यह अपनी इन्फ्रारेड आंखों और देखने के व्यापक क्षेत्र के साथ पूरे आकाश का नक्शा बनाने में छह महीने लगाएगा। दो सालों में पूरे आकाश के चार सर्वेक्षणों की योजना है, क्योंकि टेलीस्कोप 400 मील यानी 650 किलोमीटर ऊपर ध्रुव से ध्रुव तक दुनिया भर में चक्कर लगाएगा। स्फेयरएक्स, नासा के बड़े और अधिक विस्तृत हबल और वेब स्पेस टेलीस्कोप की तरह आकाशगंगाओं को बारीकी से नहीं देख पाएगा, क्योंकि उनमें देखने का क्षेत्र बहुत ही संकरा है। गैलेक्सियों की गिनती करने या उन पर ध्यान रखने के बजाय स्फेयरएक्स उन सभी से निकलने वाली सभी चमक का जायजा लेगा, जिसमें ब्रह्मांड बनाने वाले बिग बैंग के मद्देनजर बनने वाले शुरुआती आकाशगंगाएं भी शामिल हैं।

इस मिशन के मुख्य वैज्ञानिक जेमी बॉक ने कहा कि यह ब्रह्मांड संबंधी चमक ब्रह्मांडीय इतिहास में उत्सर्जित सभी प्रकाश को पकड़ती है। उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड को देखने का एक बहुत ही अलग तरीका है। इससे वैज्ञानिकों को यह देखने में मदद मिलेगी कि अतीत में प्रकाश के किन स्रोतों को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि कलेक्टिव ग्लो यानी चमक से वैज्ञानिक शुरुआती आकाशगंगाओं से प्रकाश निकालने और यह जानने की उम्मीद करते हैं कि वे कैसे बनीं।

न्यूयॉर्क में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ फिलिस्तीन समर्थकों ने निकाली रैली

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने न्यूयॉर्क शहर में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ये प्रदर्शन मध्य पूर्व, कॉलेजों में विरोध और आव्रजन से जुड़ी नीतियों के खिलाफ थे।समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर वाशिंगटन पार्क से लोअर मैनहट्टन स्थित सिटी हॉल तक मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने दर्जनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। पिछले शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क शहर में कोलंबिया विश्वविद्यालय के लिए 400 मिलियन डॉलर की फेडरल फंडिंग को रद्द कर दिया था। उन्होंने यह फैसला यहूदी-विरोधी गतिविधियों को रोकने के आधार पर लिया था। इसके साथ ही, प्रशासन ने अन्य विश्वविद्यालयों की भी समीक्षा शुरू कर दी है।कोलंबिया विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट छात्र महमूद खलील को शनिवार को विश्वविद्यालय के होस्टल से अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के कर्मचारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था।अमेरिका के स्थायी निवासी खलील ने बीते साल अप्रैल में शुरू हुए कोलंबिया विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खलील के वकील के अनुसार, खलील की पत्नी एक अमेरिकी नागरिक है और आठ महीने की गर्भवती है, उन्हें भी आईसीई से धमकियां मिली हैं।

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध अब होगा खत्म, जेलेंस्की हुए सहमत

जेद्दाह (ए.)। यूक्रेन का कहना है वह रूस के साथ 30 दिन के युद्ध विराम के वाशिंगटन के प्रस्ताव का समर्थन करेगा। कीव ने कहा कि यह 'मील का पत्थर' वार्ता थी जिसके दौरान अमेरिका ने यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने को फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी।मंगलवार को सऊदी अरब के जेद्दा में यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों के साथ आठ घंटे से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद कीव ने यह घोषणा की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित प्रस्ताव को रूस के समक्ष ले जाएगा, और गेंद अब मास्को के पाले में है।

समझौता प्रस्ताव

संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि यूक्रेन ने तत्काल, अंतरिम 30-दिवसीय युद्ध विराम लागू करने के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार करने की इच्छा व्यक्त की है, जिसे पार्टियों के आपसी समझौते से बढ़ाया जा सकता है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने वीडियो संबोधन में कहा कि अमेरिका ने पूर्ण अंतरिम युद्ध विराम प्रस्ताव रखा है, जिसमें न केवल काला सागर में बल्कि पूरे फ्रंट लाइन पर मिसाइल, ड्रोन और बम हमलों को रोका जाएगा। जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए तैयार है - हम इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में देखते हैं और इसे अपनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका-यूक्रेन ने शांति प्रक्रिया के हिस्से के रूप में मानवीय राहत प्रयासों के महत्व पर भी जोर दिया, विशेष रूप से युद्ध विराम के दौरान, जिसमें युद्धबंदियों की अदला-बदली, नागरिक बंदियों की रिहाई और जबरन स्थानांतरित यूक्रेनी बच्चों की वापसी शामिल है। दोनों पक्षों ने अपनी वार्ता टीमों के नाम तय करने और तुरंत शांति वार्ता शुरू करने पर सहमति जताई। आगे क्या होगा ?अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी है क्या रूस इस प्रस्ताव को मानेगा। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि वे इस समझौते मॉस्को लेकर जाएंगे। ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज आने वाले दिनों में अपने रूसी समकक्ष से मिलने वाले हैं और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस सप्ताह पुतिन से मिलने के लिए मॉस्को जाने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वह इस हफ्ते पुतिन से बात कर सकते हैं और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में एक स्थायी युद्धविराम पर बातचीत की जाएगी। रूसी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यूएस-यूक्रेन वार्ता के बाद कहा कि उसने अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ संपर्क की संभावना से इनकार नहीं किया है।

पीएम मोदी मॉरीशस के पूर्व पीएम से मिले, सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

पोर्ट लुईस,(ए)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को मॉरीशस के पूर्व पीएम प्रविंद जगन्नाथ से मिले। दोनों नेताओं ने भारत-मॉरीशस सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जून 2024 में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह में प्रविंद जगन्नाथ भी शामिल हुए थे। पीएम मोदी 11-12 मार्च तक मॉरीशस की यात्रा पर हैं।

पीएम मोदी पूर्वी अफ्रीकी राष्ट्र के राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथी शामिल होना है। इससे पहले, पीएम मोदी ने एक्स के जरिए मॉरीशस के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं। समारोह में भाग लेने सहित आज के कार्यक्रमों की प्रतीक्षा कर रहा हूं। पीएम मोदी ने मंगलवार को पोर्ट लुइस में मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भारत-मॉरीशस के बीच विशेष संबंध बढ़ाने के लिए नए रास्ते तलाशने पर विचार किया था।

मॉरीशस के पीएम नवीन रामगुलाम ने मोदी को देश के सर्वोच्च पुरस्कार ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन दिए जाने का ऐलान किया। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं। यह किसी देश की ओर से पीएम मोदी को दिया जाने वाला 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में मॉरीशस के पीएम ने यह ऐलान किया।

सीहोर जिले के शरबती गेहूँ को मिला है जीआई टैग

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन की महत्पूर्ण योजना 'एक जिला-एक उत्पाद' के तहत किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी के तहत सीहोर का शरबती गेहूं को जीआई टैग मिला है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में आयोजित 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) एक्सपो ने स्थानीय कारीगरों और किसानों के उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान किया। जीआईएस-भोपाल में 38 जिलों के विशिष्ट ओडीओपी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें परंपरा और नवाचार का अनूठा संगम देखने को मिला।

ओडीओपी कार्यक्रम से लोकल प्रोडक्ट्स को ग्लोबल ब्रांड बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस-भोपाल में ओडीओपी-एक्सपो से हमारे स्थानीय उत्पादों, विशेष रूप से हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहचान बनाने का अवसर मिला है।

राज्य के इन उत्पादों को मिला है जीआई टैग

राज्य शासन की महत्पूर्ण योजना 'एक जिला-एक उत्पाद' के तहत किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी के तहत सीहोर का शरबती गेहूं को जीआई टैग मिला है। इसी के साथ बाग प्रिंट, बालाघाट का चिन्नौर चावल, दतिया और टीकमगढ़ बेल धातु का कार्य, चंदेरी साड़ी, गोंड पेन्टिंग, ग्वालियर के हैन्डमेड कारपेट, जबलपुर का पत्थर शिल्प, झाबुआ का कड़कनाथ, इंदौर के चमड़े के खिलौने, माहेश्वरी की साड़ी, मुरैना की गजक, रतलामी सेव, रीवा का सुन्दरजा, उज्जैन का बटिक प्रिंट, सीहोर का शरबती गेहूँ, वारासिवनी की हेण्डलूम साड़ी, डिण्डोरी के मेटल वर्क को जीआई टैग मिला है। जीआईएस, भोपाल में ओडीओपी-एक्सपो ने यह साबित कर दिया कि मध्यप्रदेश के पारंपरिक उत्पादों में वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है। यह आयोजन स्थानीय उत्पादों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

पीएमश्री कॉलेज में तीन दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में तीन दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान उत्कृष्ट प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि यह मंच विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के द्वारा भविष्य में अपना करियर चुनने का अवसर भी प्रदान करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में बहुमुखी प्रतिभा का विकास होता है। कार्यक्रम में अखिलेश राय, सुदीप प्रजापति, जागेश्वर पटले, प्राचार्य रोहितांश कुमार शर्मा, कार्यक्रम संयोजक डॉ तृप्ता झा सहित कॉलेज के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 में ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिये ब्रिज कोर्स अप्रैल माह में होगा बेस लाइन टेस्ट

सीहोर (निप्र)। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है।

नगर पालिका की निगरानी टीम ने की कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। शहर की प्यास बुझाने वाले जमुनिया डैम, काहिरी डैम, भगवान पुरा से इन दिनों किसान जम कर पानी उलीच रहे हैं। हालात यह हैं कि सभी जलाशय में पानी का स्तर तेजी से कम हो रहा है। वहीं नगर पालिका की निगरानी टीम कार्रवाई कर रही है। इसके लिए नगर पालिका सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित ने बोटिंग के माध्यम से पानी का इस्तेमाल करने वालों पर कार्रवाई भी शुरू। बुधवार को नगर पालिका के उपयंत्री वैभव लोवनिया और तिलक वर्मा आदि ने 10 हार्स पावर की मोटर जप्त करने की कार्रवाई की है।

शहर में हर साल पानी की सप्लाई के लिए तीन तालाब जमुनिया, भगवानपुरा और काहिरी बांध में पानी आरक्षति किया जाता है। लोग तालाब में मोटर पंप लगाकर पानी ले रहे हैं। समय रहते यदि पानी की चोरी पर रोक नहीं लगी तो गर्मी के दिनों में जलसंकट हो सकता है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। शहर में पेयजल के लिए आरक्षति तालाबों के पानी की चोरी रोकने के लिए नपा हर साल पानी की चोरी रोकने के लिए एक टीम का गठन करती है। इस बार भी नपा ने तालाबों से पानी की चोरी रोकने के लिए टीम का गठन किया है। जिससे अच्छे परिणाम सामने आ रहे है। लोगों को भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। नपा के निगरानी अमले का कहना है कि वह अपनी ओर से कार्रवाई कर रहे है, इसके अलावा क्षेत्रवासी भी हमारा सहयोग करें जिससे पानी की चोरी को रोका जा सके।

आगामी नौ अप्रैल को पंडित प्रदीप मिश्रा करेंगे सीवन नदी में श्रमदान

सीवन का जीवन बचाने के लिए प्लान की जरूरत, गहरीकरण कर संवारें तो मिले पानी : अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा

सीहोर(निप्र)। नगर की जीवनदायिनी सीवन नदी को साफ-सुथरा रखने और इसे गहरा करने के लिए आज तक ठोस प्रयास नहीं हो सके। यही कारण है कि नदी की देखरेख सही ढंग से नहीं हो पा रही है। नदी के गहरीकरण के लिए पहले भी कई प्रयास किए गए। लेकिन कार्य में सिर्फ औपचारिकता ही दिखाई दी। यही वजह है कि आज तक सीवन का न तो गहरीकरण हो सका और न ही सौंदर्यीकरण। ऐसे में अब सीवन शहरवासियों से अपने अस्तित्व को बचाने की दरकार करते प्रतीत हो रही है। उक्त विचार जिला मुख्यालय स्थित कुबेरेश्वरधाम पर पहुंचे सीवन नदी के लिए जागरूकता लाने के लिए शहरवासियों के द्वारा बनाई मिशन निर्मल सतत नीरा सिद्धपुर की सीवन उद्धार समिति के लोगों से चर्चा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे। इस मौके पर यहां पर उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एलएन नामदेव ने पंडित श्री मिश्रा को बताया कि सीवन का अस्तित्व खतरे में इसको लेकर आपके सहयोग की आवश्यकता है तो पंडित श्री मिश्रा ने कहा कि आप लोग सीवन के गहरीकरण, सौंदर्यकरण और साफ-सफाई के लिए प्रयास करें मैं तन, मन और धन से इस अभियान में समिति के साथ हूं। इस मौके पर समिति के आह्वान पर पंडित श्री मिश्रा ने नौ अप्रैल को शहरवासियों के साथ श्रमदान करने की अपनी स्वीकृति प्रदान की।

इस मौके पर समिति से जुडे डॉ. गगन नामदेव ने कहा कि पंडित श्री मिश्रा के आदेश के बाद हमें जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रशासन और शहरवासियों का साथ मिल गया है। जिससे आगामी दिनों में बारिश से पहले जनता के सहयोग के अलावा दो दर्जन से अधिक समाजेसवी संगठन, संस्था और समिति हमारें साथ कंधे-से-कंधा मिलकर सीवन के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे पवित्र उद्देश्य का मतलब है सीवन को जीवन बचाना है। शहर के लोगों की जिंदगी से जुड़ी सीवन नदी लगातार अपनी जीवंतता खो रही है। साल दर साल बदहाल होती चली जा रही है। नगरीय क्षेत्र के करीब 8 किलोमीटर लंबे हिस्से से गुजरने वाली सीवन तटीय इलाकों के बड़े भाग का भू-जल स्तर बनाए रखती है।

सीवन शहर के लिए किसी वरदान से कम नहीं

सीवन नदी समिति से जुडे मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि शहर के बीच से गुजरी नदी आंखों को सुकून देने के साथ ही पानी की हमारी जरूरतों को पूरा करती है। इसके बावजूद हर साल बारिश के पानी के साथ आने वाली मिट्टी धीरे-धीरे गाद बनकर नदी की गहराई कम कर रही है। उथली होती नदी में जलभराव की मात्रा लगातार कम होती चली जा रही है लेकिन इसकी ओर प्रशासन, नगर पालिका और सबसे ज्यादा जरूरी शहर के लोगों का कोई ध्यान नजर नहीं आता। यदि लोग जागरूक हों, प्रशासन कोई विशेष योजना बनाकर काम करे और नगर पालिका इसका संरक्षण करे तो सीवन शहर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मानसूनी सीजन की कम होती बारिश को देखते हुए अब नदी का संरक्षण बहुत बड़ी जरूरत बन चुका है। ऐसा होने से एक लाख से अधिक शहरवासियों को कई तरह से फायदा मिलेगा। नदी को सदानीरा और सुंदर बनाने के लिए प्रशासन, नगर पालिका और लोगों को करना होंगे प्रयास जानिए ऐसी है हमारी जीवनदायिनी सीवन-नगर में सीवन नदी सैकड़ाखेड़ी के पास स्थित फोरलेन बायपास पर बने पुल से शुरु होती है जो गणेश मंदिर के पास करबला पुल से होकर गुजरती है। यह नदी पार्वती नदी में जाकर मिलती है।

19 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर जिले में शुष्क दिवस घोषित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बालागुरू के. ने जिले में होली पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 19 मार्च 2025 को शाम 05 बजे तक रंगपंचमी पर्व के अवसर पर जिले में शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस में सीहोर जिले की सभी 71 कम्पोजिट मदिरा दुकान, एफ एल-3 होटल बार, गोदाम तथा जिले के देशी मद्य भाण्डागार शाम 5.00 बजे तक बंद रहेंगे।

यह बजट भाजपा प्रदेश सरकार का बातों के बताशे वाला बजट, जनहित सफाचट : राजीव गुजराती

सीहोर(निप्र)। मध्यप्रदेश भाजपा सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने आज जो बजट पेश किया है, उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। उक्त बयान जारी करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बताया कि हद तो इस बात की है कि चुनाव के बाद दूसरा बजट पेश कर दिया गया लेकिन चुनाव में किए गए वादे अब तक नहीं निभाए गए।

मध्यप्रदेश की बहनें इस बात की प्रतीक्षा कर रही थीं कि बजट में उन्हें 3000 प्रति महीने लाड़ली बहना योजना में दिए जाने की घोषणा की जाएगी। लेकिन सरकार अभी भी 1250 पर ही अटकी है। जबकि भाजपा के मंत्रियों द्वारा चुनावी वादे के बारे में ना तो एक शब्द बोला गया और ना ही वादों पर खरे उतरे। दूसरी तरफ जब से वर्तमान भाजपा सरकार बनी है तब से लाड़ली बहना योजना में बहनों की संख्या लगातार कम की जा रही है।

इसी तरह किसान भाइयों को उम्मीद थी कि बजट में गेहूं और धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र के अनुसार 2700 प्रति क्विंटल और 3100 रुपए प्रति क्विंटल करने की घोषणा की जाएगी। लेकिन इस बारे में भी वित्त मंत्री ने एक शब्द नहीं बोला। वहीं 3 लाख नौकरियों का झांसा दिया गया था परन्तु सरकारी विभागों में पद खाली पड़े होने के बावजूद भी युवक-युवती बैरोजगारी का मार झेल रहे हैं और प्रायवेट जॉब करने हेतु पलायन करने को मजबूर है।

कुबेरेश्वरधाम पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण-नाक, कान, गला, दंत, बीपी, शुगर और खून की निशुल्क जांच कर 100 से अधिक मरीजों को दीं दवाइयां

सीहोर(निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में विठलेश सेवा समिति के तत्वाधान में गगन जन सेवा समिति के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर में नाक, कान, गाल रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक के अलावा जरनल फिजिशियन आदि ने जांच की। शिविर में मशीन द्वारा जांच, खून में हीमोग्लोबिन की जांच, ब्लड प्रेशर एवं शुगर के करीब 100 से अधिक मरीजों की निशुल्क जांच की गई। जांच के बाद मरीजों को निशुल्क दवाएं भी वितरित की गई।

धाम पर अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के निर्देशानुसार लंबे समय से यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य की जांच के अलावा दवाई का वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा

आदि ने डॉक्टरों के अलावा सेवा में लगे गगन जनसेवा समिति के मेडिकल स्टाफ का सम्मान किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि धाम पर हार्ट, शुगर, बीपी, गैस, लकवा, थायराइड, गठिया आदि सभी प्रकार की बीमारियों के सैकड़ों की संख्या में मरीजों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरण किया जा रहा है।

इसको लेकर बुधवार को गगन जनसेवा समिति के मेडिकल स्टाफ के अलावा नाक, कान, गले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एलएन नामदेव, दंत चिकित्सक डॉ. गगन नामदेव के अलावा प्रिंयका सोनी, शुभम नामदेव, शिव सौलंकी के अलावा प्रीतम वर्मा आदि की टीम शामिल थी। धाम पर नियमित रूप से मरीजों का निशुल्क उपचार, जांच और दवाई का वितरण निरंतर किया जा रहा है।

माता-पिता और चिकित्सक के अथक प्रयासों से अब सामान्य बच्चों की तरह चलने लगा है मुस्तफा

अपने बेटे को चलते हुए देखकर माता पिता की आंखों में छलके खुशी के आंसू

सीहोर (निप्र)। सीहोर निवासी शहाना और फहीम के चेहरे पर उस समय खुशी का अन्दाजा लगाना मुश्किल था, जब उनका बेटा मुस्तफा जन्म के पांच साल बाद न केवल अपने पैरों पर खुद खड़ा हुआ, बल्कि सामान्य बच्चों की तरह चलने भी लगा। मुस्तफा को सामान्य बच्चों की तरह खड़े होने और चलने योग्य बनाने के लिए जिला चिकित्सालय सीहोर के अस्थिरोग विशेषज्ञ तथा फिजियोथैरेपिस्ट को पांच साल तक अथक प्रयास करना पड़ा। मुस्तफा को जन्म से ही क्लब फुट और मल्टी पल्स ज्वाइंट की समस्या थी। मुस्ताफा के 02 अप्रैल 2019 को जन्म लेते ही घर में खुशी का महौल था। माता पिता बेहद खुश थे लेकिन उसके माता-पिता को उस वक्त गहरा आघात लगा जब उन्हें पता चला मुस्तफा खड़ा नहीं हो सकेगा और चल भी नहीं पाएगा। यह जानकारी उन्हें 03 अप्रैल 2025 को तब मिली जब वे अपने बेटे को एसएनसीयू और वहां से डीईआईसी लेकर पहुंचे। बालक मुस्तफा का क्लब फुट के कारण घुटना पूरी तरह विकसित नहीं हो पाया था। इसके साथ ही बाएं हाथ की कलाई की नर्व में समस्या के कारण कलाई उपर की ओर मुड़ नहीं पा रही थी। जिला अस्पताल स्थित डीईआईसी पहुंचने पर अस्थि रोग चिकित्सक डॉ हरिओम गुप्ता द्वारा क्लब फुट की कास्टिंग शुरू की गई एवं कलाई के लिए फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा एक्सरसाइज सिखाई गई तथा हथेली को सीधा रखने के लिए हेंडब्रेस दिया गया। क्लब फुट कास्टिंग और टेनोटोमी के बाद मुस्तफा का पैर बिल्कुल सीधा हो गया और मुस्तफा चलने लगा। मुस्तफा के इलाज और थेरेपी में लगभग 05 साल का समय लग गया। यही नही बल्कि उसके बांए हाथ की कलाई भी सामान्य स्थिति में आ गई है और उसका घुमाव भी सामान्य हो गया है। डीईआईसी में मुस्तफा की नेचर डेवलपमेंट टेकनिक, पोजिशनिंग एक्सरसाइज, कोर स्टेनबिलिटि, स्टेंमथनिंग, बेलेंसिंग, गेट ट्रेनिंग तथा हेड फंक्सन साहित अनेक प्रकार की थैरेपी की गई तथा होम एक्सरसाइज का प्लान बताया गया और आखिरकार मुस्तफा अपने पैरो पर खेड़ा होने लगा और चलने भी लगा।

17 मार्च तक बढ़ाई गई चना, मसूर पंजीयन की अवधि

सीहोर,(निप्र) । शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम के अन्तर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर चना एवं मसूर की पंजीयन की अवधि 17 मार्च तक बढ़ा दी गई है। पहले पंजीयन की अंतिम तिथी 10 मार्च निर्धारित की गई थी जिसे बढ़ाकर 17 मार्च कर दिया गया है। जिन किसानों ने चना एवं मसूर की बुवाई की हो वह अपना पंजीयन शासकीय अवकाश दिवसों को छोड़कर कार्यालयीन समय के अनुसार निर्धारित लिंक में जाकर स्वयं के मोबाईल, कम्प्यूटर, पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी केन्द्र अथवा एम.पी. ऑनलाइन, सीएससी, लोक सेवा केन्द्र पर जाकर करा सकते हैं। पंजीयन के लिए किसानों को अपने भूमि संबंधी दस्तावेज आधार कार्ड, आधार नम्बर से पंजीकृत मोबाईल नम्बर एवं अन्य फोटो पहचान पत्र ले जाना अनिवार्य है। सिकमी एवं वन पट्टाधारी किसान वनाधिकारी पट्टाधारी एवं सिकमीदार को आधार कार्ड आधार नम्बर से पंजीकृत मोबाइल नम्बर एवं वनपट्टा एवं सिकमी अनुबंध की प्रति) के माध्यम से करवा सकते हैं। किसानों को उनकी फसल का भुगतान उनके आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। इसलिए किसान अपने आधार नम्बर से बैंक खाता तथा मोबाईल नम्बर लिंक कराकर उसे अपडेट रखें ताकि भविष्य में असुविधा न हो।

जिला पंचायत सीईओ ने बिलकिसगंज में जीपीएसडीपी प्लान की समीक्षा की

बिलकिसगंज में निर्माण कार्यों, गौशाला सहित ग्राम की भौगोलिक स्थिति का किया निरीक्षण

सीहोर,(निप्र) । जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने सीहोर जनपद की ग्राम पंचायत बिलकिसगंज में एसपीए भोपाल द्वारा निर्मित किए जाने वाले इनहैंसमेंट वर्क ऑफ बिलकिसगंज जीपीएसडीपी फॉर विजनिंग एक्सरसाइज के प्लान की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित कर समीक्षा की। बैठक में ग्राम पंचायत बिलकिसगंज का वर्तमान परिदृश्य एवं भविष्य के रोड मैप की तैयारी के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यों, गोशाला, चारागाह, सेग्रीगेशन सेट, गांव के रास्ते एवं अन्य भौगोलिक स्थिति का निरीक्षण भी किया। बैठक के दौरान जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल, तहसीलदार, सरपंच, सचिव सहित अन्य जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ग्राम पंचायत स्पेशल डेवलपमेंट प्रोग्राम (जीपीएसडीपी) के तहत चयनित देशभर की 34 ग्राम पंचायतों में से सीहोर जिले की बिलकिसगंज ग्राम पंचायत को भी मॉडल के रूप में चयनित किया गया है।

नर्सिंग एवं मेडिकल ऑफिसरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार जिला अस्पताल, सीएचसी एवं सिविल अस्पतालों के मेडिकल आफिसरों एवं नर्सिंग ऑफिसरों का तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में ऑफिसरों को कॉमन कैंसर स्क्रीनिंग माड्यूल एवं ओपीडी मरीजो की कैंसर स्क्रीनिंग के बारे में विस्तार से ट्रेनिंग दी जा रही है। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में कुल 60 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण 11 मार्च से 13 मार्च तक दिया जा रहा है।

भूल सुधार के संबंध में

समस्त सदस्यगण

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्यादित चांदबड जागीर तह. श्यामपुर जिला सीहोर की आम सभा दिनांक 24.03.2025 दिन सोमवार समय 12.30 बजे से कार्यालय भवन चांदबड़ जागीर में आयोजित की गई है और बहुउद्देशीय प्राथ.कृषि साख सह. संस्था मर्यादित खाईखेडा. तह. श्यामपुर जिला सीहोर की आम सभा दिनांक 25.03.2025 दिन मंगलवार समय 12.30 बजे से कार्यालय भवन खाईखेड़ा में आयोजित की गई है। बुधवार 12 मार्च 2025 को त्रुटिवश चांदबड़ जागीर की आम सभा 24.04.2025 और खाईखेड़ा की आमसभा 25.04.2025 के स्थान पर चांदबड़ जागीर प्रकाशित हो गया था।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com